नगर संस्करण

गुड इवनिंग

सांध्य दैनिक

इंदौर-भोपाल-ग्वालियर से प्रकाशित

पेज-5

गंदगी देख बरसे नगर परिषद उपाध्यक्ष, बोले- कामचोरी नहीं होगी बर्दाश्त

अलग अंदाज़, अलग नज़रिया | इंदौर, सोमवार, 14 जुलाई 2025 | मूल्य एक रुपए | ■ पृष्ठ : 8 ■ वर्ष : 09 ■ अंक : 116

www.goodeveninglive.com | https://www.facebook.com/goodevening01 | www.goodeveningonline.com

साबु का रजिस्टर्ड लोगो – उत्तम स्वाद संग स्वास्थ्य की पहचान !
सात्विक, पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन विधियाँ बनाएँ- More than 250 Recipes

सही और प्रामाणिक खरीदारी हेतु पैकेट पर साबु लोगो देख कर ही खरीदें

हमारे वीडियो चैनल https://youtube.com/c/SABUTRADE पर करीब 250 से उपर साबु उत्पादों से बनी विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन विधियों में से चुनें और स्वयं बना कर आनंद लें !

For distribution in unrepresented areas, contact: 9442605753 or Mail: sabutrade@sabuindia.com
For more information please visit https://sachamoti.net
For online purchase visit https://sabuonline.com

सच्चासाबु एगमार्क साबुदाना
सच्चामोती एगमार्क साबुदाना
चक्र एगमार्क साबुदाना

साबु ट्रेड, सेलम के उत्कृष्ट स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद

सच्चामोती एगमार्क साबुदाना
सच्चासाबु साबु-पापड़ (3 वैरायटी में)
सच्चासाबु ग्लुटेनमुक्त पोषक फेरियाली आटा
कुकरीजॉकी श्रीधान्य (मीलेट)
अल्पाहार मखाना (फॉक्सनट)
अल्पाहार एगमार्क सेलम हल्दी पाउडर

Short News

बंगाल में टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में एक 42 वर्षीय तृणमूल कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मामले में दो महिलाओं समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार तड़के कोमारपुर गांव में हुई। बंदूकधारी श्रीनिधिपुर पंचायत अध्यक्ष पीयूष घोष के आवास पर पहुंचे और उन्हें गोली मार दी। अधिकारी ने बताया कि एक गोली पास से मारी गई। उन्होंने बताया कि टीएमसी नेता का कोई करीबी इस हत्या में शामिल हो सकता है। पुलिस सभी संभावित व्यावसायिक विवादों की जांच कर रही है। अभिजात शेठ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के नए अध्यक्ष सरकार ने अभिजात शेठ को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह डॉ. बीएन गंगाधर का स्थान लेंगे। डॉ. गंगाधर ने पिछले अक्तूबर में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (पीजीएमईबी) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एमके रमेश को मेडिकल असेसमेंट बोर्ड (एमएआरबी) का अध्यक्ष भी नियुक्त किया।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में अमेरिकी साजिश!

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन क्रैश के करीब 1 महीने बाद आई शुरूआती जांच रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि विमान का फ्यूल स्विच बंद होने की वजह से यह दुर्घटना हुई है। एएआईबी की रिपोर्ट यह बताती है कि दुर्घटनाग्रस्त बोइंग विमान 787 ड्रीमलाइनर का फ्यूल स्विच बंद होने होने की वजह से दो पायलटों के बीच भ्रम पैदा हुआ जो शायद दुर्घटना की वजह बनी। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि दुर्घटना के समय एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि आपने फ्यूल स्विच क्यों बंद कर दिया है? इस पर दूसरे पायलट ने यह जवाब दिया कि उसने बंद नहीं किया है। संभवतः पायलटों ने फ्यूल स्विच को फिर से चालू कर दिया हो, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। एएआईबी की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि फ्यूल स्विच बंद होने की स्थिति में विमान के दोनों इंजन में फ्यूल का प्रवाह बंद हो गया, जो दुर्घटना की बड़ी वजह हो सकता है। वहीं, बोइंग की इस मामले में फिर सफाई आई है कि अमेरिका की सरकारी एजेंसी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और बोइंग ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए बताया कि बोइंग प्लेन के फ्यूल स्विच लॉक एकदम सेफ हैं।

सड़क पर पार्किंग... उधर जाम से निकल रहा दम

वाहन चालकों की मनमानी आम लोगों पर पड़ रही भारी, बेतरतीब ट्रैफिक से रेंगते हुए निकलते हैं वाहन

रविशंकर शर्मा

गुड इवनिंग, इंदौर। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर यातायात पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई और जागरूकता अभियान चलाने का शहर के लोगों पर कोई असर होता नहीं दिख रहा है। वाहन चालकों की मनमानी आम लोगों पर भारी पड़ रही है। कुछ यही हाल एबी रोड के रसोमा चौराहे से लेकर सत्यसाई चौराहे तक नजर आते हैं।

शहर में वैसे तो हर जगह लोग ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते नजर आते हैं, लेकिन मुख्य मार्गों पर यह मनमानी बड़ी परेशानी की वजह बन रही है। शहर के पूर्वी क्षेत्र की बात करें तो एबी रोड पर रसोमा चौराहे के पास फुटपाथ के साथ लोग सर्विस रोड पर भी अपनी गाड़ियां बेतरतीब तरीके से खड़ी करके चले जाते हैं। इससे अन्य वाहन चालकों को परेशान होना पड़ता है। शाम के समय जब यातायात का दबाव होता है तो यह परेशानी अधिक बढ़ जाती है। इस चौराहे पर रात 8 बजे के लगभग ट्रैफिक का इतना दबाव रहता है कि तीन बार ग्रीन सिग्नल होने के बाद वाहन चालक निकल पाते हैं। यहां लोग सड़क के किनारे भी गाड़ियां खड़ी कर देते हैं। चौराहे पर ही यातायात पुलिस के जवान चालान काटते नजर आते हैं, लेकिन थोड़ ही दूरी पर इस तरह खड़े बेतरतीब वाहनों पर कोई कार्रवाई नहीं करता।

दोपहर में भी लोगों का करना पड़ती है मशक्कत

इसी तरह सत्य साईं चौराहे के पास पंचमुखी हनुमान मंदिर है। यहां आने वाले लोग सड़क पर ही गाड़ी खड़ी कर देते हैं। इस कारण शाम के समय यहां वाहनों की रेलमपेल लगी रहती है। शाम के अलावा दोपहर में भी यहां वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है। यहां दो बैंक होने के कारण यहां आने वाले ग्राहक अपनी गाड़ियां सड़क पर ही खड़ी कर देते हैं। लोग जैसे तैसे यह एरिया पार करते हैं।

ठेले वाले भी यातायात बाधित करने में आगे

ट्रैफिक के दबाव से बचने के लिए कुछ लोग सत्य साईं चौराहे से स्कीम नं. 54 की ओर मुड़ जाते हैं, लेकिन यहां भी सड़कों पर वाहन खड़े होने से वाहन गुत्थमगुत्था होते रहते हैं। कई बार यहां स्कीम नंबर 78 और सयाजी चौराहे की ओर से आने वाले वाहनों का ऐसा दबाव रहता है कि सत्य साईं चौराहे से आने वाले वाहन चालकों को उलटे वापस लौटना पड़ता है। शाम के समय यहां अकसर जाम लगता है। इसी सड़क पर ठेले वाले भी दुकान लगाकर रखते हैं। इस कारण भी यातायात की समस्या बनी हुई है।

जयशंकर ने बीजिंग में चीनी उपराष्ट्रपति से की मुलाकात, एससीओ की अध्यक्षता के लिए समर्थन व्यक्त किया

चीन-भारत के संबंधों में सुधार की कोशिश

बीजिंग, एजेंसी

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर ट्वीट किया, 'चीन की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता के लिए भारत का समर्थन व्यक्त किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर फोकस किया और विश्वास व्यक्त किया कि मेरी यात्रा के दौरान हुई चर्चाएं सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगी।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच कजान में हुई बैठक के बाद से दोनों देशों के संबंधों में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में चीन की सफल अध्यक्षता का समर्थन करता है। पिछले अक्तूबर में कजान में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच हुई बैठक के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंधों में लगातार सुधार हो रहा है। मुझे विश्वास है कि इस यात्रा में मेरी चर्चाएं इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगी।'

गलवां के बाद पहली यात्रा

2020 में गलवां में हुई घातक सैन्य झड़प को लेकर संबंधों में आई खटास के बाद विदेश मंत्री की यह पहली चीन यात्रा है। जयशंकर की यह यात्रा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की यात्राओं के बाद हो रही है, जिन्होंने जून में एससीओ बैठकों के लिए चीन की यात्रा की थी।

पांच वर्षों में चीन की पहली यात्रा : जयशंकर सिंगापुर की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद चीन पहुंचे हैं। यह पांच वर्षों में उनकी चीन की पहली यात्रा है। सोमवार को उनके अपने चीनी समकक्ष वांग यी से द्विपक्षीय बैठक करने की उम्मीद है। जयशंकर और वांग यी की पिछली मुलाकात फरवरी में जोहान्सबर्ग में जी-20 बैठक के दौरान हुई थी, जहां दोनों पक्षों ने आपसी विश्वास और समर्थन का आह्वान किया था।

एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक : जयशंकर आज तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि विदेश मंत्री तियानजिन में आयोजित एससीओ विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक (सीएफएम) में भाग लेने के लिए पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का दौरा करेंगे। विदेश मंत्री सीएफएम के दौरान द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

केरल में निपाह की फिर दस्तक! दूसरी संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी

केरल में निपाह वायरस संक्रमण से जुड़ी एक और संदिग्ध मौत की सूचना सामने आई है। 12 जुलाई को पलक्कड़ जिले के 57 वर्षीय व्यक्ति ने एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने जानकारी दी कि मंजीरी मेडिकल कॉलेज में जांच के दौरान व्यक्ति निपाह वायरस से संक्रमित पाया गया था। हालांकि, इसकी अंतिम पुष्टि पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से अभी शेष है। इससे पहले मालप्पुरम जिले के एक निवासी की भी निपाह संक्रमण से मृत्यु हो चुकी है, जबकि पलक्कड़ का एक अन्य संक्रमित मरीज अब भी इलाजरत है। नई संदिग्ध मौत के बाद केरल सरकार ने निपाह वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए संपर्क ट्रेसिंग और क्षेत्रीय निगरानी अभियान को तेज कर दिया है। मृतक के संपर्क में आए 46 व्यक्तियों की प्राथमिक सूची तैयार की गई है। मरीज की हालिया गतिविधियों का विश्लेषण करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल टावर डेटा का सहारा लिया गया है।

महाकाल मंदिर में भक्तों का तांता, प्रजा का हाल जानने निकलेंगे

रात ढाई बजे से जाग रहे बाबा महाकाल

गुड इवनिंग, उज्जैन

उज्जैन में श्रावण के पहले सोमवार पर महाकालेश्वर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रात ढाई बजे मंदिर के कपाट खुलने के बाद, सुबह तीन बजे बाबा महाकाल की विशेष भस्मारती हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शाम को बाबा महाकाल की सवारी भी निकाली जाएगी।

श्रावण मास का पहला सोमवार होने के कारण आज सुबह से ही शिव मंदिरों में भक्तो का तांता लगा हुआ है। उज्जैन के महाकालेश्वर मन्दिर में दर्शन हेतु श्रद्धालु देर रात से ही कतार में लगे हुए हैं। रात ढाई बजे मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद तीन बजे बाबा महाकाल की भस्मारती शुरू हुई। जिसके हजारों श्रद्दालुओं ने दर्शन लाभ लिए। श्रावण मास भगवान भोलेनाथ का सबसे प्रिय माह माना गया है। मान्यता है कि श्रावण माह में शिव आराधना करने से सभी कष्टों से तुरन्त मुक्ति मिलती

है। श्रावण के पहले सोमवार के दिन महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की विशेष भस्मारती की गई। भस्मारती के पहले बाबा को जल से नहलाकर महा पंचामृत अभिषेक किया गया, जिसमें दूध, दही, घी, शहद व फलों के रसों से अभिषेक हुआ।

भांग और चंदन से श्रंगार : अभिषेक के बाद भांग और चन्दन से भोलेनाथ का आकर्षक श्रंगार किया गया और भगवान को वस्त्र धारण कराये गए। तत्पश्चात बाबा को भस्म चढाई गई। भस्मिभूत होने के बाद झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़े व शंखनाद के साथ बाबा की भस्मारती की गई। भक्त आज के दिन का विशेष इंतजार करते हैं। इसलिए आज महाकाल के दरबार में सुबह से ही उत्साह और आनंद का माहोल है।

बाबा का घंटों इंतजार करते हैं भक्त

श्रावण-भादों माह में सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी निकाले जाने की भी परंपरा है। इसलिए आज शाम को बाबा की सवारी भी निकाली जाएगी। मान्यता है कि अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए सवारी के रूप में राजा महाकाल नगर भ्रमण पर निकलते हैं। यहां बाबा की सवारी के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु सडकों के किनारे घंटों इन्तजार करते हैं और महाकाल की एक झलक पा कर अपने आप को धन्य मानते हैं।

न्यूरो कैसेस के लिये सेंट्रल इंडिया का मोस्ट एडवांस एवं हाईटेक क्लिनिक

SDPC shyama devi physiotherapy clinic faster recovery & lasting results Since 2007 INDORE

विश्व स्तरीय न्यूरो रिहैब विशेषज्ञ उपलब्ध है

पैरालिसिस, पैराप्लेजिया, स्पाइन इंजुरी और फूट ड्रॉप जैसी समस्या का समाधान भी संभव है।

Dr Mahesh Sahu (PT) M.P.T. (Neuro), FOMT (Australia) Chiropractic (Sweden) FDM (Germany)

PHYSIOTHERAPY CHIROPRACTIC OSTEOPATHY

ब्रांच 1: 584-C, खातीवाला टैंक, ब्रीलियंट स्कूल के पास, इंदौर,

ब्रांच 2: 110, MR-6, महालक्ष्मी नगर, इंदौर फोन: 0731 - 4976163

FOR APPOINTMENT CALL : 7047971841, 9685964855

मनोकामनेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव की पूर्णाहुति

गुड इवनिंग, देपालपुर

नगर के भोलनाथ कॉलोनी स्थित नवनिर्मित मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव की पूर्णाहुति रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक परंपराओं के साथ सम्पन्न हुई। अनुष्ठान के अंतिम दिन नगरवासियों सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से हजारों श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आध्यात्मिक आयोजन का पुण्य लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन में भक्ति श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत समन्वय देखने को मिला जिससे नगर का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। महामहोत्सव के दौरान विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया जिनमें वेदपाठ हवन अभिषेक रुद्राभिषेक महाशृंगार विशेष पूजन रात्रिकालीन भजन संध्या और सामूहिक आरती जैसे कार्यक्रम प्रमुख रहे । आयोजन स्थल को फूलों, रंगोलियों और धार्मिक ध्वज पताकाओं से भव्य रूप से सजाया गया था। पूर्णाहुति उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें नगरवासियों के साथ ही दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की और आयोजन की भव्यता की सराहना की। प्रसादी वितरण के दौरान सेवा में जुटे स्वयंसेवकों की सक्रियता और व्यवस्था की प्रशंसा हुई । आयोजन को वैदिक परंपरा के अनुसार आचार्य पंडित विकास जोशी के नेतृत्व में सम्पन्न किया गया जिनके मार्गदर्शन में पूरे अनुष्ठान को विधिपूर्वक और धार्मिक गरिमा के साथ सम्पन्न कराया गया। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों और सेवा कार्य में लगे का आभार माना।

सावन के पहले सोमवार को शिवभक्ति में लीन हुए श्रद्धालु

इंदौर। पंचकुइयां स्थित श्री राम मंदिर, श्री विश्वेश्वर महादेव द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर एवं श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर पर सावन के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के जयघोषों से गुंजायमान रहा। सुबह से ही जल चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लग गई थीं। शिवभक्ति के इस पावन माह में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। चित्र में काटाफोड़ मंदिर स्थित शिवलिंग पर दुग्ध अभिषेक करते भक्त।

नृसिंह वाटिका में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान की धर्मसभा में 'संबंधों की डोर' विषय पर प्रेरक आशीर्वचन

परिवार को बचाने के लिए एक-दूसरे के प्रति स्नेह का भाव रखें

गुड इवनिंग, इंदौर

आज के दौर में हमारे परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते दरक रहे हैं और संयुक्त परिवार की अवधारणा बिखर रही है। एक समय था, जब परिवार में सभी सदस्यों के बीच आपस में स्नेह, समन्वय और सम्मान के भाव होते थे, लेकिन अब हालात बदलते जा रहे हैं। अनेक रिश्ते और संबोधन जैसे बुआ, मासी, चाचा आदि लुप्त हो गए हैं। अनेक परिवारों में बच्चे तो सेट हैं, लेकिन माता-पिता अपसेट । पोते-पोती विदेशों से वीडियो कॉल पर दादू हाय और दादू बाय जैसे संबोधन कर रहे हैं। विडंबना है कि बच्चे खुशियों के आंसू और वृद्ध माता-पिता खून के आंसू पी रहे हैं। परिवार को बचाने की पहली शर्त है कि हम एक-दूसरे के प्रति स्नेह और सम्मान का भाव रखें।

एयरपोर्ट रोड, नरसिंह वाटिका पर अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार, जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार इंदौर के तत्वावधान में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान में युवा हृदय सम्राट जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. ने रविवार को ह्यसंबंधों की डोरह्ल विषय पर रविवारीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ सत्र में ऐसी अनेक बातें कहीं, जो खचाखच भरे सभागृह में बैठे साधकों के मन को छू गई। धर्मसभा को मुनि प्रवर प.पू. उत्तमरत्न सागर म.सा. ने भी संबोधित किया और कहा कि परिवार को बचाने के लिए तीन चीजें हमेशा याद रखें, ये हैं संपर्क, संघर्ष और संबंध । जब संबंध बिगड़े तब वहां संघर्ष चालू हो जाता है, लेकिन यदि परिवार में संपर्क ठीक रहे तो प्रेम, प्यार और समन्वय बना रहेगा तथा संबंधों को बिखरने की वजह नहीं मिलेगी। गणिवर्य कीर्तिरत्न सागर म.सा. ने भी परिवार को समाज और राष्ट्र की बुनियादी इकाई बताते हुए चातुर्मास के दौरान सिद्ध तप की आराधना का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि जिनशासन में त्याग, तप और साधना का जो महत्व है, उसके अनुरूप हमें इस तरह की सिद्धि तप आराधना का पुण्य लाभ अवश्य लेना चाहिए।

प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. ने कहा कि समाज में तलाक के मामले दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं। इन सारे हालातों के पीछे मुख्य कारण यही नजर आता है कि परिवार में एक-दूसरे की टांग खींचने और इर्ष्या की प्रवृत्ति बढ़ गई है, हालांकि अनेक अपवाद भी हैं। इस स्थिति में परिवार के लोगों को धैर्य, संयम और सहन करने की भावना से काम करना होगा। परिवार को बचाना है तो गम खाना भी सीखना होगा। उन्होंने टीवी पर दिखाए जाने वाले धारावाहिकों पर तंज कसते हुए कहा कि आजकल परिवार के रिश्तों में भी इन धारावाहिकों के दृश्यों के कारण तनाव की स्थिति बन रही है। जीवन में कामयाबी पाने के लिए समन्वय और समझौते के रास्ते पर चलना जरूरी है। सबको साथ लेकर चलना कुशल नेतृत्व की पहचान होती है। परिवार की साज-संभाल भी अब एक चुनौती भरा काम हो गया है। परिवार को बचाने की पहली शर्त है कि हम एक-दूसरे के प्रति स्नेह और सम्मान का भाव रखें।

समाजबंधुओं की अगवानी

प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से कैलाश नाहर एवं ललित सी जैन, हंसराज जैन एवं मनीष सुराना ने सभी समाजबंधुओं की अगवानी की। आज धर्मसभा में शहर के सभी प्रमुख जैन श्रीसंघों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। समूचा सदन खचाखच भरा रहा, जहां पैर रखने के लिए भी बड़ी मुश्किल से जगह मिल पाई। समिति के पारस बोहरा पुण्यपाल सुराना, प्रीतेश ओस्तवाल, दीपक सुराना एवं शैलेन्द्र नाहर आदि ने कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं को संभाला। संचालन शेखर गेलड़ा ने किया। इस अवसर पर विभिन्न आयोजनों के लाभार्थी नवरत्न आदर्श परिवार, भजन गायक एवं अन्य अनुष्ठानों के लाभार्थी बंधुओं का प.पू. विश्वरत्नसागर म.सा की निश्रा में बहुमान भी किया गया। अगले रविवार को नरसिंह वाटिका में ह्यमहापुरुषों की महागाथाह्ल विषय पर प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. सहित विभिन्न विद्वान वक्ताओं के व्याख्यान होंगे, जबकि नियमित सत्संग सभा में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से उत्तराध्ययन सूत्र पर आधारित प्रवचनों की श्रृंखला जारी रहेगी।

प्रकृति का संरक्षण हमारा नैतिक कर्तव्य ही नहीं, हमारी संस्कृति का प्रतीक - डॉ. भरत शर्मा

गुड इवनिंग, इंदौर

प्रकृति का संरक्षण हमारा नैतिक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का प्रतीक भी है।

उक्त संवाद संस्कृति मंत्रालय, सदस्य - डॉ भरत शर्मा ने श्री भारतीय संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित और नगर निगम इंदौर, मानव सेवा ट्रस्ट और हार्टफुलनेस संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'प्रकृति का उत्सव, प्रकृति के संग' के अंतर्गत लगभग दस हजार वृक्षारोपण के वृहद आयोजन में वृक्षारोपण के पश्चात लगभग 1500 प्रतिभागियों के समक्ष रखे । आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वृक्षारोपण के आह्वान और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के संकल्प एक पेड़ माँ के नाम की सराहना करते हुए आयोजको को विश्वकल्याण और प्रकृति संरक्षण के इस अभियान पर बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकल्प को सार्थक तभी माना जाएगा जब यह पौधे जिम्मेदारी तय कर के संरक्षित भी किए जाएंगे। हमारी संस्कृति में हमेशा वृक्षों, नदियों और प्राकृतिक संरचाओं को ईश्वरीय आशीष मान उनकी पूजा की जाती रही है। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर अपने हित को त्याग अब हमे अब अपने स्वार्थ से परे इनका संरक्षण और संवर्धन के लिए सतत प्रयास करना होगा। कार्बन उत्सर्जन, वृक्षों की कटाई, शहरों और उद्योग का विस्तारीकरण, प्रदूषण के होने वाले दुष्प्रभाव हम अब महसूस करने लगे हैं।

वृक्षारोपण के ऐसे प्रकल्प हमे हमारी सनातन संस्कृति से जोड़ता है और आने वाली पीढ़ी के लिए स्वस्थ भविष्य का मार्ग तय करता है।

डॉ. भरत शर्मा का स्वागत श्री भारतीय संस्कृति शिक्षा संस्थान ट्रस्ट के सचिव पंकज सुरेश मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कचौलिया, कोषाध्यक्ष धीरेन पटेल, सहसचिव रमाकांत अग्रवाल ने किया । विद्यालय की प्राचार्या ने आभार व्यक्त किया। विश्वनाथ धाम के विशाल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से समाजसेवी विष्णु बिंदल, वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति राणा, संतोष सितोले, रिटायर्ड सीएसपी हरीश मोटवानी, बलदेव ठाकुर, उच्च न्यायालय अधिवक्ता वंशिका शर्मा, सुभाष गोयल, उद्योगपति गौरव पटेल, गीता शर्मा व बड़ी संख्या में विद्यालय के छात्र-छात्रायें, पालक, संस्था के पदाधिकारी और समाज के गणमान्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

वर्कशॉप में दी फीजियोथैरेपी से संबंधित जानकारी

गुड इवनिंग, इंदौर

शहर व अन्य शहरों के प्रसिद्ध फिजीयोथेरेपिसट के साथ शहर मे वर्कशाप आयोजित की गई। जेसा नाम से ही विदित फिजीयोथेरेपी शरीरी की समस्त मासपेशीयो जोड़ के दर्द से सम्बन्धित जटिल बीमारियो को फिजीयोथेरेपी के अन्तर्गत माना गया हे। जब मानव शरीर की मासपेशियो का सन्तुलन बिगड जाता है। तो शरीर के उस हिस्से मे तनाव बढता जाता हे। दर्द बढता चला जाता है जिनसे जोड़ का दर्द घुटने का दर्द कमर दर्द स्लिप डिस्क जैसी बिमारिया मनुष्य शरीर मे रोग उत्पन्न करती है। यदि समय पर सही उपचार कर लिया जावे तो इस बिमारी से निजात पा सकते शहर के प्रसिद्ध फिजीयोथेरेपिसट डा महेश साहु ने बताया की इस वर्क शाप मे देश के लगभग 35से ज्यादा डाक्टर्स नेभाग लिया व इस जटिल बिमारी पर अपनी अलग अलग राय इलाज व उपचार बताये फिजीयोथेरेपिसट आस्टोपैथी से लबे समय से इन्दौर के अपने 2 क्लिनिक खातीवाला टैक व विजय नगर पर स्थित से ऐसे मरिज जो ढग से उठ बैठ चल फिर नही पाते थे ऐसे रोग का इलाज करने वाले डा साहु कहते हे इस थेरेपी मे वे डाक्टरी कार्य के साथ साथ नारायण सेवा का भाव लिए करते है इसी कारण प्रदेश देश व विदेश से भी मरिज इलाज कराने आपके पास आते इस वर्क शाप का उद्देश्य मानव मात्र को इन बिमारीयो के होने कारण निवारण के बारे बताया गया है।

फिटनेस समूह ने गोमाता को खिलाया चारा

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा की उपस्थिति में फिटनेस समूह ने विद्याधाम आश्रम में गौसेवा की। सैकड़ों लोगों ने गोमाता को चारा खिलाया, महाकाल प्रतीक चिन्ह भेंट कर दिया पर्यावरण व स्वास्थ्य का संदेश।

जलवायु संकट का हर समाधान है पौधारोपण -खान

गुड इवनिंग, देपालपुर

वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि भविष्य को सुरक्षित करने का परमार्थ कार्य है। वृक्ष बड़े होकर न सिर्फ हमें छाया और फल देते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक ऑक्सीजन का भी प्रमुख स्रोत होते हैं।

यह विचार तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने नगर में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर व्यक्त किए। यह महत्त्वपूर्ण आयोजन मनकमल पार्श्वनाथ तीर्थ परिसर में तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर तथा सराफा एसोसिएशन देपालपुर के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान आम, जामुन,अमरूद, पीपल नीम जैसे अनेक फलदार और छायादार वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में आयोजित संगोष्ठी में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है, जिसका सबसे सरल और सशक्त उपाय वृक्षारोपण ही है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कर हम न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हैं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायाधीश श्री खान ने वृक्षारोपण पर प्रेरक दोहे सुनाकर उपस्थित जनसमूह से यह अपील की कि हर व्यक्ति कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प भी ले। इस अवसर पर सराफा एसोसिएशन देपालपुर की ओर से जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान का पुष्पमाला से भव्य स्वागत किया गया तथा मनकमल पार्श्वनाथ तीर्थ परिसर का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष नेम कुमार जैन, सचिव अंकित सोनी, मीडिया प्रभारी मनोज अग्रवाल, संरक्षक अनिल सोनी सांवेर वाले, सदस्य नितिन गोयल,पार्षद गुड्डू ठाकुर, अखिलेश रावल, पंकज जैन, लखन पटेल, न्यायालय स्टाफ नायब नाजिर दिलीप यादव, आशिक चौहान, अरशद हसन,अमर वर्मा सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

सत्य साई चौराहे के आगे देर रात बंद की सड़क

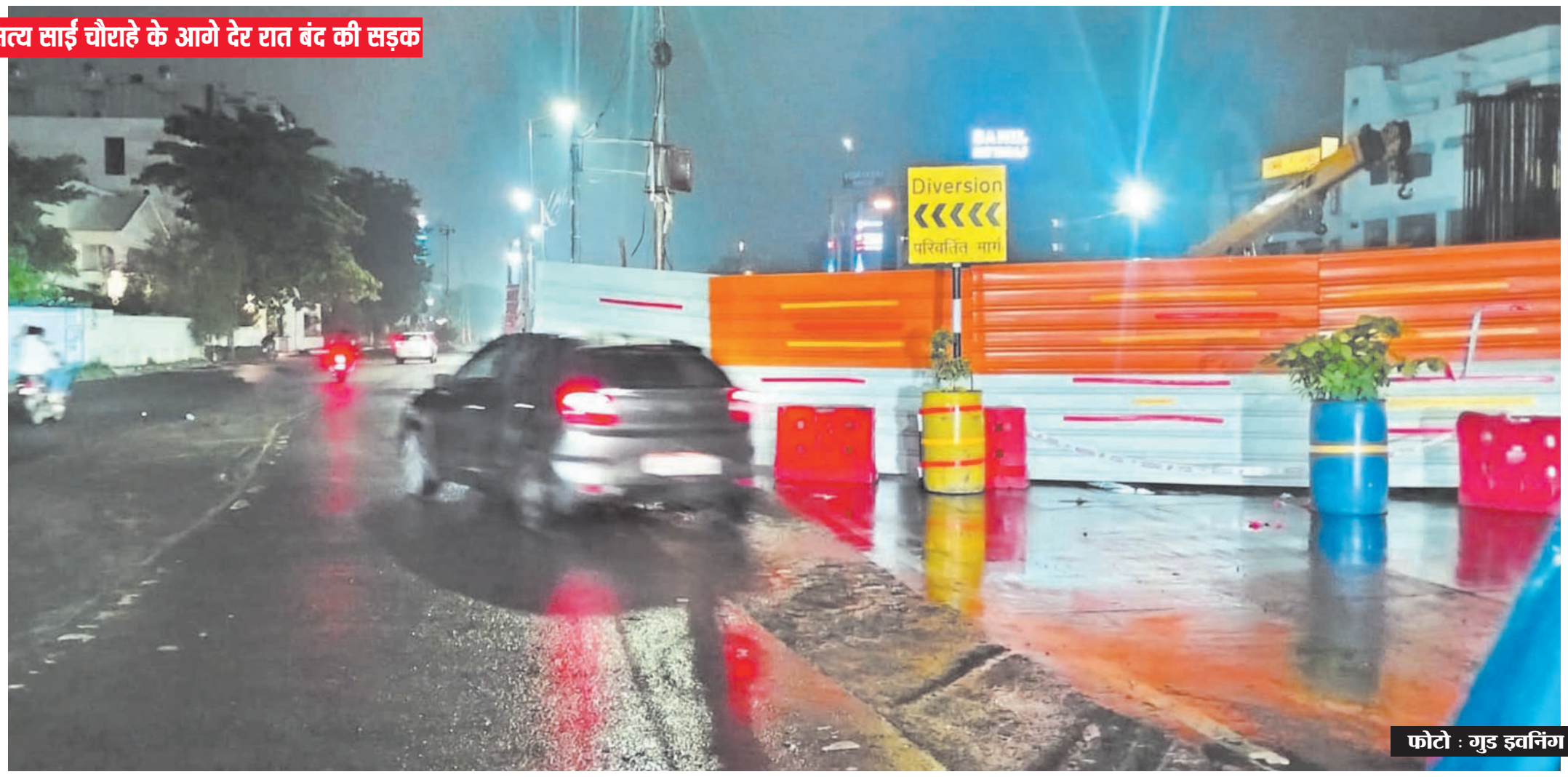

फोटो : गुड इवनिंग

इंदौर। सत्य साई चौराहे पर ब्रिज निर्माण के कारण कल देर रात यहां पंचमुखी हनुमान मंदिर के आगे सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस पर वाहन चालकों को सर्विस रोड का रुख करना पड़ा। कई वाहन चालक भ्रम की स्थिति में रहे।

सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास को लेकर अधिकारियों ने किया निरीक्षण

कार-बाइक वालों के लिए 45 दिन तक खुलेगा मांगलिया आरओबी

रेलवे, नगर निगम, यातायात पुलिस के अधिकारी पहुंचे एक साथ

गुड इवनिंग, इंदौर

जल संसाधन मंत्री के निर्देश पर रविवार को निर्माणाधीन सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य अंडरपास निर्माण की वजह से हो रहे यातायात जाम की समस्या का समाधान तलाशना और कार्य में तेजी लाना था।

मंत्री के मौखिक निर्देश के पालन में रतलाम रेलवे मंडल प्रबंधक से चर्चा कर वरिष्ठ संभागीय अभियंता को मौका मुआयना करने के लिए निर्देशित किया गया। इस क्रम में रेलवे, नगर निगम व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अंडरपास स्थल का निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति एवं संभावित सुधारों का आंकलन किया गया। निरीक्षण के दौरान रेलवे अधिकारियों ने अंडरपास का बाकी निर्माण कार्य, रिटेनिंग वॉल का निर्माण तथा मार्ग चौड़ीकरण का कार्य अगले 45 दिनों में पूरा करने का आश्वासन दिया। इसी तरह अब मांगलिया आरओबी से भी राहत मिलेगी। यातायात के दबाव को कम करने के उद्देश्य से मांगलिया में निर्माणाधीन आरओबी को अगले 7 दिनों के अंदर मोटरसाइकिल एवं कारों के लिए 45 दिन तक अस्थायी रूप से खोला जाएगा, जिससे वैकल्पिक आवागमन की सुविधा मिल सके तथा सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास पर यातायात का दबाव कम हो सके। इस मौके पर रतलाम रेलवे मंडल से संभागीय इंजीनियर मांगीलाल जाटव, सांवेर एसडीएम घनश्याम धनगर, तहसीलदार विकास रघुवंशी, नगर निगम उपायुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री डी.आर. लोधी, पीडब्ल्यूडी ब्रिज शाखा से कार्यपालन यंत्री श्री सोलंकी, पुलिस यातायात विभाग से एडिशनल डीसीपी संतोष कौल, थाना प्रभारी तारेश सोनी आदि सहित कई स्थानीय नागरिक मौजूद थे। मंत्री तुलसीराम सिलावट के निर्देश पर यह संयुक्त निरीक्षण निर्माण कार्य में तेजी लाने, सुगम आवागमन की योजना तैयार करने और नागरिकों को सुविधा देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

इंदौर ने आठवीं बार स्वच्छता रैंकिंग में हासिल किया शीर्ष स्थान

मुख्यमंत्री ने जारी किया संदेश

गुड इवनिंग, इंदौर

मुख्यमंत्री ने कहा है कि स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार में मध्यप्रदेश एक बार फिर से गौरवान्वित होगा। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को राष्ट्रपति द्वारा मध्यप्रदेश के आठ शहरों को स्वच्छता की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने इस उपलब्धि पर सभी स्वच्छताकर्मी, नगरीय निकायों के महापौर, अध्यक्ष, पार्षद, अधिकारी और कर्मचारियों सहित नागरिकों को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि इंदौर शहर को स्वच्छता के लिए सुपर स्वच्छ श्रेणी लीग में आठवीं बार सम्मानित किया जाएगा। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। बीते सालों में श्रेष्ठ प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर स्वच्छ लीग पुरस्कार इस वर्ष इंदौर को दिया जाएगा। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त होगा, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजधानी भोपाल प्राकृतिक सुंदरता के अलावा स्वच्छता के क्षेत्र में भी आदर्श बना है और इस आधार पर देश की सर्वश्रेष्ठ राजधानी के रूप में सम्मानित होगा। विभिन्न श्रेणियों में ग्वालियर, देवास, शाहगंज और जबलपुर भी पुरस्कृत किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता का जो संकल्प लिया है, उसमें मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के इस मापदंड के आधार पर अपने घर, मोहल्ले, कॉलोनी और नगर को स्वच्छ रखें और इस आदर्श जीवन शैली को दुनिया के बीच प्रदर्शित करने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली से दुबई रवाना होने से पहले यह संदेश प्रदेशवासियों के नाम जारी किया है।

इंदौर में विदेशी विश्वविद्यालय के कैंपस का प्रस्ताव

15 से अधिक प्रमुख उद्यमियों ने दिखाई मध्यप्रदेश में निवेश की रुचि

गुड इवनिंग, इंदौर

मुख्यमंत्री की दुबई यात्रा के पहले दिन भारतीय प्रवासी समुदाय, विशेष रूप से इंदौर से जुड़े उद्यमियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इंदौरी इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क द्वारा एक विशेष आयोजन किया गया जिसमें 25 से अधिक सीईओ उपस्थित रहे और 15 से अधिक प्रमुख उद्यमियों ने मध्यप्रदेश में निवेश की रूचि दिखाते हुए अपने निवेश प्रस्ताव दिए।

वर्तमान में यूएई में 750 से अधिक सदस्यों के साथ एक स्थापित लाइसेंस प्राप्त समुदाय है जिसमें व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, बैंकर, शिक्षाविद् सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल शामिल हैं। सदस्यों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निवेश प्रस्तावों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में कोर कमेटी के सदस्य अजय कसलीवाल, प्रेम भाटिया, अंजू

भाटिया ने जानकारी दी कि यूएई में निवासरत इंदौरी प्रवासी निवेश की संभावनाओं को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं। उन्हें राज्य सरकार से मिलने वाले मार्गदर्शन और सहयोग को लेकर पूरा विश्वास है। इस मौके पर दुबई में रहने वाले सीए प्रवीण मेहता ने वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए निजी क्षेत्र में 100 करोड़ रुपए की लागत से एक परियोजना और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले सस्टेनेबल सिटी के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भी उन वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, जिनके बच्चे विदेशों में हैं। उन्होंने कहा, कि अगर आपके बच्चे बाहर हैं, तो हम आपका परिवार हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और संबंधित कलेक्टर इन वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में दुबई स्थित फ्यूचर वाइज एजुकेशन की सीईओ अंजू भाटिया ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत मध्यप्रदेश में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस की स्थापना का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय डिग्री अपने ही राज्य में प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रेम भाटिया ने बताया कि वे इंदौर से दुबई आने वाले शुरूआती परिवारों में से एक हैं। आज उनकी बदौलत 400 से अधिक परिवार यूएई में रोजगार प्राप्त कर सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

आपसी सुलह और समझौते से 5 हजार से अधिक मामलों का समाधान

समाजों के सहयोग से प्रदेश के लिए मिसाल बना इंदौर का मध्यस्थता मॉडल

गुड इवनिंग, इंदौर

सिविल प्रक्रिया संहिता संशोधन अधिनियम की धारा के तहत वैकल्पिक विवाद समाधान की विधा मध्यस्थता को कानूनी मान्यता प्रदान की गई है। यह एक गैर-बाध्य कारी, निष्पक्ष, निःशुल्क तथा स्वैच्छिक प्रक्रिया है, इसमें प्रशिक्षित मध्यस्थ पक्षकारों को संवाद के माध्यम से विवाद समाधान तक पहुंचने में मदद करते हैं। इंदौर जिले ने इस प्रक्रिया को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और प्रदेश भर में एक आदर्श मॉडल पेश किया है।

उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ के न्यायमूर्ति की पहल पर तथा इंदौर कलेक्टर के निर्देशन में जिला प्रशासन इंदौर के सक्रिय सहयोग से इस प्रक्रिया पर कार्य किया जा रहा है। पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश के नेतृत्व में प्रशिक्षित मध्यस्थों की टीम ने अब तक 5 हजार से अधिक मामलों का समाधान आपसी

समझौते से करवाया है। इंदौर में वैवाहिक, पारिवारिक, कार्यालयीन और पड़ोसी विवादों को प्राथमिकता के साथ मध्यस्थता प्रक्रिया में लिया जा रहा है। यह एक पूर्णतः गोपनीय प्रक्रिया है, इसमें दोनों पक्षों के हितों की रक्षा करते हुए पारंपरिक मुकदमेबाजी के मुकाबले शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान किया जाता है। जनसुनवाई में मिले कई मामलों को अब कलेक्टर कार्यालय स्थित मध्यस्थता केंद्र में भेजा जाता है। इस सुविधा को नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए जिले में 22 मध्यस्थता केंद्र कार्यरत हैं।

समाज और विशेषज्ञों का सहयोग-इंदौर में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित 27 विभिन्न समाजों के 123 वरिष्ठ जन इस अभियान से जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त पूर्व न्यायाधीश, डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता, समाजसेवी, सीए और सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी भी मध्यस्थता समिति में शामिल हैं। इन्हें 20 घंटे के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मध्यस्थ के रूप में तैयार किया गया है।

मप्र आपको बुला रहा है, बेहिचक निवेश करें, हम भी आपको रिटर्न गिफ्ट देने में कोई कमी नहीं रखेंगे : मुख्यमंत्री

म.प्र. ने निवेशकों के लिए 18 पारदर्शी नीतियां लागू की, हमारी नीतियों का भरपूर लाभ उठाएं, हीरा तो पन्ना में मिलता है, लेकिन मप्र के डायमंड तो दुबई में भी मिल रहे हैं, दुबई में प्रवासी भारतीयों के फ्रैंड्स आफ एमपी इंटरनेशनल समूह से किया आत्मीय संवाद

गुड इवनिंग, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब देश का सर्वाधिक प्रगतिशील प्रदेश बन गया है। निवेशकों के लिए हमारी सरकार ने सभी द्वार खोल दिए हैं। हमने मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए 18 प्रकार की पारदर्शी औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। हमारी सभी औद्योगिक नीतियां बेहद साफ सुथरी हैं। मध्यप्रदेश में आने वाले निवेशकों को किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता। आईए मध्यप्रदेश आपको बुला रहा है, हम पर भरोसा करें, मध्यप्रदेश में निवेश करें, हम भी आपको रिटर्न गिफ्ट देने में कोई कमी नहीं रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को दुबई में प्रवासी भारतीयों के फ्रेंड्स ऑफ एमपी इंटरनेशनल समूह के साथ आत्मीय संवाद कर रहे थे। उन्होंने निवेशकों से कहा कि यदि आप मध्यप्रदेश के लोगों को रोजगार देने वाला कोई बड़ा उद्योग लगाते हैं तो हमारी सरकार अगले 10 साल तक प्रति लेबर 5 हजार रुपए की सहायता राशि भी मुहैया कराएगी। यदि मेडिकल एजुकेशन या मेडिकल कॉलेज जैसा बड़ा कोई निवेश करना चाहते हैं तो, हमारी सरकार आपको मात्र एक रूपए में जमीन देगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर कदम पर निवेशकों के साथ है। मध्यप्रदेश को अपना दूसरा घर बनाइये और यहां निवेश जरूर कीजिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि दुबई मध्यप्रदेश के लोगों के लिए एक तरह से दूसरी मां के समान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राज्य सरकार ने उद्योग केंद्रित पारदर्शी नीतियां लागू की हैं। उद्योगपतियों को निवेश करने और इंडस्ट्री शुरू करने के लिए सिंगल विंडो फैसिलिटी प्रदान की जा रही है। उद्योगपतियों को बिजली के बिलों में छूट दी जा रही है। प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और जीआईएस के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रुपए का निवेश मिला है। मध्यप्रदेश निवेशकों को आमंत्रित कर रहा है आप लोग आइए और सभी क्षेत्रों में उद्योग स्थापित कर प्रगति करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यापारी अपनी युक्ति बुद्धि से उद्यमशीलता को बढ़ाते हैं। प्रदेश के पन्ना में हीरा मिलता है। मध्यप्रदेश के हीरे दुबई में भी मिल रहे हैं। उद्योगपति एक मौसम विज्ञानी की तरह हवा का रुख समझ लेते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है, जिन्होंने भारत ही नहीं, दूसरे देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की भी कठिन समय में हर संभव मदद की है। विकास का रास्ता भारत से होकर ही गुजरता है। कई देश भारत के साथ आजाद हुए। आज भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत के गरीब और जरूरतमंदों को 4 करोड़ पक्के मकान बनाकर दिए हैं और 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन बांटा जा रहा है। यह संख्या करीब 100 देशों की आबादी के बराबर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय लोग दूध में शक्कर की तरह घुल मिल जाते हैं, जो दुनियाभर में मिठास घोल रहे हैं। दुबई में निर्मित स्वामीनारायण मंदिर में सभी संप्रदायों की झलक नजर आती है। भारतीय संस्कृति में सभी का सम्मान है, जो विश्व कल्याण की भावना से ओतप्रोत है। कोविड काल में दूसरे देशों को मेडीसिन भेजकर भारत ने वसुधैब कुटुंबकम की भावना को चरितार्थ किया है। यूएई में रहने वाले मध्यप्रदेश के प्रवासी आज कई लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। श्री नरेश भावनानी ने मंदसौर से आकर अपने पुरुषार्थ के बल पर यूएई में टेक्सटाइल सेक्टर का बड़ा उद्योग स्थापित किया है।

श्री जितेंद्र वैद्य ने बाबा महाकाल के उद्घोष के साथ संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव सामान्य परिवार से आते हैं, जिन्होंने हमेशा मानव सेवा को सर्वोपरि रखा। अपने छात्र जीवन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कई जनहितैषी आंदोलनों में हिस्सा लिया। छात्र जीवन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के सीनियर्स का सम्मान करते हुए उनके लिए छात्र संघ चुनाव में दावेदारी छोड़ दी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यकाल में प्रदेश के धार्मिक पर्यटन में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। अब उज्जैन में सिंहस्थ महाकुंभ आने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में विकास की नई इबारत लिख दी है। प्रदेश के हर वर्ग को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

यूएई में भारतीय महावाणिज्यदूत श्री सतीश सिवान ने कहा कि यूएई में 44 लाख प्रवासी भारतीय निवास करते हैं। मध्य प्रदेश न केवल भारत का हृदय प्रदेश है, बल्कि यह यूएई में रहने वाले प्रवासी भारतीय समुदाय के लिए भी हार्ट के समान है।

अपर मुख्य सचिव, नगरीय प्रशासन एवं आवास श्री संजय दुबे ने कहा कि दुबई में हुए आत्मीय स्वागत से हम अभिभूत हैं। वर्तमान में राज्य सरकार 13 देशों के साथ मिलकर प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा दे रही है। आप सभी यहां मध्य प्रदेश के हृदय के रूप में उपस्थित हैं। मध्य प्रदेश हर सेक्टर के निवेशक को निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। मध्यप्रदेश आर्थिक प्रगति और कृषि समेत अन्य क्षेत्रों में प्रथम स्थान पर है। मध्यप्रदेश वनों से समृद्ध है, जहां बिग कैट फैमिली के सभी वन्यप्राणी मौजूद हैं। प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क है। प्रदेश रोड, रेल और एयर नेटवर्क से जुड़ा है।

प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। यह पिछले 10 साल से अग्रणी बनी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फोकस प्रदेश के औद्योगिक विकास पर है। वे प्रदेश के समग्र विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विजन के अनुरूप सरकार ने रीजनल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की और निवेशकों को अवसर उपलब्ध कराए। प्रदेश सरकार ने 18 नई नीतियां लागू की हैं, जो देश में सर्वश्रेष्ठ हैं। भोपाल में फरवरी 2025 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में लगभग 30.77 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मध्यप्रदेश यूएई के सभी प्रवासियों का दूसरा घर है। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला, जनसंपर्क विभाग के सचिव एवं आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. टी इलैया राजा, प्रवासी भारतीय उद्योगपति श्री नरेश भावनानी, श्री वासुदादा सहित बड़ी संख्या में मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीय उपस्थित थे।

जन्म जयंती समारोह

भोपाल। राजनित मे सन्त पुरूष की महिमा स्व कैलाश जोशी जैसे व्यक्तित्व पर खरी बैठती है

आज जोशी जी की 96 जन्म जयन्ती के अवसर पर भोपाल स्थित विधान सभा परिसर मे आपके कार्य व अन्य योजनाओ के साथ आपको याद करते हुए। ाजन्म जयन्ती दिवस का आयोजन किया जा रहा है सर्व विदित है स्व कैलाश जोशी बागली विधानसभा से लगातार 8 मर्तबा चुनाव जीत कर गिनीज बुक मे भी आपका नाम दर्ज हे आप भाजपा शासन मे मुख्य मन्त्री प्रदेश अध्यक्ष उर्जा मन्त्री उधोग मन्त्री जैसे पदो पर रहे आपकी कार्य प्रणाली जैसे जन जन के नेता सदेव याद किए जावेगे।

रेलवे में एसी लगाने का टेंडर दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

ग्वालियर। रेलवे में एसी लगाने का टेंडर दिलाने का झांसा देकर 90 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपित चिराग शर्मा को थाटीपुर थाना पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया है। वह ठगी करने के बाद इंदौर भाग गया था। यहां उसने अपना घर बना लिया था। जहां यह रह रहा था।

राहुल व नफशत अली गिरफ्तार, चिराग और योगेश फरार : तीन साल पहले थाटीपुर क्षेत्र में रहने वाले पंकज सोनी के साथ ठगी हुई थी। उसे रेलवे में एसी लगाने का टेंडर दिलाने का झांसा देकर चिराग शर्मा, योगेश गोयल, नफशत अली ने 90 लाख रुपए की ठगी की थी। इस मामले में राहुल व नफशत अली को तो पुलिस ने पकड़ लिया था। चिराग, योगेश फरार हो गए थे।

ठगी के रुपए से जमीन खरीदी : थाटीपुर थाना प्रभारी विपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि आरोपित चिराग शर्मा के बारे में पता लगा था कि वह इंदौर के महालक्ष्मी नगर में रह रहा है। थाटीपुर थाने के सब इंस्पेक्टर केके पाराशर और उनकी टीम ने पड़ताल शुरू की। दो दिन तक टीम महालक्ष्मी नगर में रुकी। यहां पता लगा कि चिराग शर्मा ने अपना घर बना लिया है। ठगी के रुपए से यहां जमीन खरीदी थी। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसे पकड़कर रविवार को ग्वालियर ले आई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दुबई में अभूतपूर्व स्वागत

भारतीय समुदाय से मुलाकात कर मुख्यमंत्री ने माना आभार

गुड इवनिंग, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को दुबई पहुंचे। डॉ. यादव का भारतीय समुदाय के नागरिकों और उद्योगपतियों ने गर्मजोशी से अभूतपूर्व स्वागत किया। दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मालवा क्षेत्र के पुराने साथी भी मिले, जिनसे मिलकर वे भावुक हो गए। ताज होटल में भारतीय समुदाय ने पलक-पांवड़े बिछाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आत्मीय और सरल व्यवहार ने सभी मेजबानों का दिल छू लिया।

आत्मीय स्वागत से अभिभूत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, ह्लदुबई में भारतीयों ने अपनी मेहनत, संस्कृति और संस्कारों से विशेष पहचान बनाई है। यूएई प्रवास के दौरान दुबई स्थित ताज होटल में भारतीय भाई-बहनों और युवाओं से भेंट कर हृदय आनंदित है। सभी की आत्मीयता के लिए हार्दिक आभार !ह्व उन्होंने अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं।

यात्रा का उद्देश्य : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 जुलाई तक दुबई और स्पेन की यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य मध्यप्रदेश में वैश्विक निवेश को आकर्षित करना, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना और रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना है। यह दौरा प्रदेश को वैश्विक मंच पर एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

आर्थिक विकास को गति देगा यह दौरा : मुख्यमंत्री की यह विदेश यात्रा न केवल प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि रोजगार सृजन, तकनीकी उन्नयन और सांस्कृतिक प्रचार के माध्यम से मध्यप्रदेश को दीर्घकालिक लाभ भी पहुंचाएगी। यह यात्रा राज्य को औद्योगिक और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हो सकती है।

मप्र सरकार तैयार करवा रही आठवें वेतनमान के हिसाब से बजट अनुमान

गुड इवनिंग, भोपाल

मध्य प्रदेश के साढ़े सात लाख नियमित कर्मचारियों और साढ़े चार लाख पेंशनरों को आठवें वेतनमान का वेतन और पेंशन देने के हिसाब से बजट अनुमान तैयार करवाया जा रहा है। केंद्र सरकार आठवां वेतनमान देने के लिए आयोग गठित कर अध्यक्ष की नियुक्ति कर चुकी है।

वेतन और पेंशन में 15 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार भी आगामी वर्षों का बजट अनुमान तैयार करवा रही है। इसके लिए समिति भी बना दी गई है। प्रदेश में अभी अधिकारियों-कर्मचारियों और पेंशनरों को सातवें वेतनमान के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है। इस पर वर्षभर में कुल बजट का लगभग 33 प्रतिशत हिस्सा व्यय होता है। सातवें वेतनमान की अवधि दिसंबर 2025 में समाप्त हो रही है।

तब 7 से 18 हजार रुपये की वृद्धि हुई थी : इसके लिए सबसे पहले राज्य अपनी वित्तीय स्थिति देखेंगे और जो फामूर्ला केंद्रीय कर्मचारियों के लिए निर्धारित किया गया है, उस पर विचार होगा। सातवें वेतनमान में 2.75 के फामूर्ले से वृद्धि दी गई थी यानी मूल वेतन में 2.75 का गुणा करके वेतनमान निर्धारित हुआ था। तब सात से 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन में वृद्धि हुई थी।

स्थापना व्यय पर 33 प्रतिशत बजट व्यय कर रही सरकार : आठवें वेतनमान में महंगाई आदि पहलुओं को देखकर इसे तीन से सवा तीन प्रतिशत रखा जा सकता है। इससे प्रदेश में स्थापना व्यय पर सरकार प्रतिवर्ष जो 33 प्रतिशत बजट व्यय कर रही है, वह बढ़कर 37 से 40 प्रतिशत तक हो सकता है। अभी वित्त विभाग ने सभी विभागों को प्रतिवर्ष के हिसाब से तीन प्रतिशत वेतन वृद्धि मानकर स्थापना व्यय के प्रस्ताव बनाने के लिए कहा है।

बड़ी झील में लगातार बढ़ रहा पानी

जुलाई के आखिरी में खुल सकते हैं भदभदा डैम के गेट

गुड इवनिंग, भोपाल

नागरिकों के लिए राहत भरी खबर है। लगातार हो रही बारिश के चलते बड़ी झील का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। अगर इसी तरह बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो जुलाई महीने के अंत तक भदभदा डैम के गेट खोले जा सकते हैं। रविवार दोपहर तक झील का जलस्तर 1660.10 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसका फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है, जिस पर गेट खोले जाते हैं।

नगर निगम ने संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए भदभदा डैम पर दो इंजीनियरों की 24 घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी लगा दी है। ये इंजीनियर लगातार झील के जलस्तर की निगरानी कर रहे हैं और पल-पल की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे रहे हैं। यह स्थिति न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि जल आपूर्ति के लिए भी फायदेमंद साबित होगी।

भोपाल सहित पूरे प्रदेश में मानसून सक्रिय है और कई डैम पहले ही ओवरफ्लो हो चुके हैं। भोपाल में भी रोजाना अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है, जिससे जलस्रोतों में भरपूर पानी एकत्र हो रहा है। यदि बारिश का यही रुख बना रहा, तो कुछ ही दिनों में बड़ी झील का जलस्तर फुल टैंक लेवल को छू सकता है, जिससे भदभदा डैम के गेट खोलने की नौबत आ सकती है।

कोलांस नदी के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश से भर रही झील : वाटर वर्क्स के इंजीनियर अजय सिंह सोलंकी के मुताबिक, झील के जलस्तर में बढ़ोतरी का मुख्य कारण कोलांस नदी के कैचमेंट एरिया में हो रही भारी बारिश है। यह नदी मुख्यतः सीहोर जिले से बहती है और इसका पानी राजधानी की बड़ी झील तक पहुंचता है। पिछले एक सप्ताह से इसी कारण झील के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

जलकार्य शाखा के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग ने बताया कि बड़ी झील के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कोलांस नदी के कैचमेंट में अच्छी बारिश हो रही है। इसका फायदा बड़ी झील को मिल रहा है।

गंदगी देख बरसे नगर परिषद उपाध्यक्ष, बोले-कामचोरी नहीं होगी बर्दाश्त

मूंदी में स्वच्छता पर विशेष अभियान, वार्ड 2 व 4 की गलियों में खुद उतरे मैदान में, माता चौक की अवरुद्ध नालियों पर जताई गंभीर चिंता

गुड इवनिंग, मूंदी

नगर परिषद मूंदी के वार्ड क्रमांक 2 एवं 4 के मध्य मार्ग और नालियों की बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर नागरिकों में लंबे समय से असंतोष व्याप्त था। नालियों के अवरुद्ध होने और नियमित सफाई नहीं होने से क्षेत्र में दुर्गंध और गंदगी का माहौल बना हुआ था। जनसुनवाई में शिकायतों के बाद नगर परिषद उपाध्यक्ष राजनारायण मंडलोई ने रविवार को मौके पर पहुंचकर हालात का निरीक्षण किया और तत्काल सफाई कार्य प्रारंभ करवाया।

विदित हो कि पूर्व परिषद के कार्यकाल में इसी क्षेत्र में स्थायी समाधान हेतु पक्का नाला निर्माण कराया गया था, लेकिन समय पर सफाई न होने और कर्मचारियों की शिथिलता के चलते फिर से गंदगी की स्थिति बन गई है।

निरीक्षण के दौरान नाली की एक क्रॉसिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त पाई गई, जिस पर उपाध्यक्ष मण्डलोई ने नगर परिषद की कनिष्ठ यंत्री श्रीमती प्रतिमा बलिया को दूरभाष पर निर्देश देते हुए तत्काल मरम्मत कार्य प्रारंभ करने के आदेश दिए। उन्होंने सफाई अमले को पूरे क्षेत्र में सघन सफाई अभियान चलाने, नियमित निरीक्षण और समयबद्ध कार्यों के निर्देश भी दिए।

उपाध्यक्ष मण्डलोई ने दो टूक शब्दों में कहा कि –मैं सफाईकर्मियों की तनख्वाह कटवाने का पक्षधर नहीं हूं, लेकिन यदि कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता जारी रही, तो संबंधित को कार्यमुक्त किया जाएगा।

माता चौक की दुर्गंध से परेशान व्यापारी, फर्शी के नीचे सड़ रहा गंदा पानी– निरीक्षण के दौरान पार्षद प्रतिनिधि धर्मेश राठौर व स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि माता चौक पर चाय-नाश्ते की दुकानों के सामने की नालियों पर फर्शी डालकर उन्हें ढंक दिया गया है। जिससे होटल से निकलने वाला गंदा पानी रुककर वहीं सड़ रहा है और लगातार बदबू फैल रही है।

इस पर श्री मण्डलोई ने स्वयं नाली की फर्शी हटवाकर निरीक्षण किया, जहां से इतनी तीव्र दुर्गंध आई कि वहाँ खड़ा रहना भी मुश्किल हो गया। उन्होंने तुरंत आदेश दिए कि इन नालियों को खोला जाए और ऐसे सभी अवरुद्ध स्थानों पर नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण उपरांत उपाध्यक्ष ने कहा कि – स्वच्छता केवल प्रशासन एवं जनप्रतिनिधीयो की नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। हम सब मिलकर ही स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित मूंदी का निर्माण कर सकते हैं।

मानसिक दबाव कम करने सरकार ने बनाए हैं नियम, प्रभावित होना आवश्यक

छात्र-छात्राओं को मिले राहत कंधों पर न हो बस्ते का बोझ

गुड इवनिंग, सारंगपुर

राज्य सरकार ने स्कूली बच्चों को राहत तीन साल पहले से दी है। कक्षा पहली से कक्षा 10वीं तक के बच्चों के बस्ते का बोझ कम कर दिया गया है। बस्ते में कितनी किताबें ले जानी है यह भी तय कर दिया है। बच्चों पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव न बने, इसके लिए पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों को होम वर्क देने पर रोक लगा दी गई है। खास बात यह कि आदेश सभी सरकारी और प्राइवेट विद्यालयों सहित अनुदान प्राप्त स्कूलों पर भी लागू है। इसके बाद अब प्राइवेट विद्यालयों में भी मनमानी किताबें चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। स्कूल शिक्षा विभाग पूर्व में जारी आदेश में स्कूलों का कक्षावार वजन निर्धारित किया गया है। यह आदेश मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश, मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के परिप्रेक्ष्य में जारी किया गया था। इसमें स्पष्ट कहा गया कि यह आदेश शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बस्तों पर लागू होगा।

बंद होगी निजी स्कूलों की मनमानी–राज्य शासन ने यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील कर दिया है। विभागीय जानकारों का कहना है कि इससे सबसे ज्यादा निजी विद्यालयों की मनमानी पर लगाम लगेगी। अपने फायदे

के लिए निजी विद्यालय मनमानी किताबें चलाते हैं, इतनी संख्या कर देते हैं कि उनका वजन अधिक हो जाता है। साथ ही सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय तो स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बात भी अनसुनी कर देते हैं। लेकिन, इस आदेश में जिस तरह से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, बाल अधिकार आयोग और सुप्रीम कोर्ट का हवाला है, ऐसे में अब सीबीएसई और आसीएसइ मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को भी इस आदेश को मानना होगा।

ये होगी बस्तें में किताबों की संख्या–विभाग ने बच्चों के बस्तों में किताबों की संख्या भी तय कर दी है। ज्यादा किताबें होने पर कार्रवाई की जाएगी। कहा गया कि राज्य शासन से निर्धारित एवं एनसीआरटी से नियत पाठ्य पुस्तकों से अधिक पुस्तकें विद्यार्थियों के बस्ते में नहीं होना चाहिए। कक्षा 1 और 2 के लिए गणित एवं भाषा विषय का शिक्षण तथा कक्षा 3 से 5 के लिए गणित एवं भाषा के साथ पर्यावरण अध्ययन विषय का शिक्षण कराने कहा गया है।

वर्कबुक कक्षा में ही रहेगी–निर्धारित वर्क बुक और शैक्षणिक संदर्भ सामग्री को कक्षा में रखने के निर्देश दिए हैं। यह भी कहा है कि बच्चों के मनोरंजन और खेलकूद को विद्यालयीन समय में पर्याप्त स्थान देना होगा।

यह तय किया बस्ते का वजन

- कक्षा अधिकतम वजन
- कक्षा 1-2- 1.5 किलोग्राम
- कक्षा 3 से 5 2 से 3 किलोग्राम
- कक्षा 6 से 7 4 किलोग्राम
- कक्षा 8 से 9 4.5 किलोग्राम
- कक्षा 10, 5 किलोग्राम

कार्रवाई होगी

ये आदेश पूर्व के है, सभी विद्यालयों को इनका पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। अब तय सीमा से ज्यादा वजन या आदेश के विरुद्ध स्कूलों द्वारा मनमानी की जाएगी तो उन पर कार्रवाई होगी।

-डॉ. सुरेश विरमाल, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, सारंगपुर।

मंदसौर में कल शाम 2 घंटे झमाझम बारिश, नालियां जाम हो गई

गुड इवनिंग, मंदसौर

कल रविवार को मंदसौर में आसमान में बादल दिन भर बने रहे। इस दौरान शाम को जोरदार बारिश हुई इस दौरान तेज हवाएं भी चली। लगभग 1 इंच वर्षा पंजीबद्ध की गई। तेज बारिश की अभी जरूरत है।

मौसम विभाग ने बारिश को लेकर रेड अलर्ट भी जारी किया था। रविवार को मंदसौर में आसपास घने बादल छाए रहे। इस दौरान सवेरे हल्की बूंदाबांदी हुई। दिनभर मौसम सुहाना बना रहा । धुप नहीं निकली। इस दौरान थोड़ी उमस भी बनी रही। दोपहर का तापमान 28।डिसे रिकॉर्ड किया गया जबकि रात का तापमान 24।0 डिसे पंजीबद्ध हुआ। शाम 5:00 बजे यकायक तेज बारिश का दौर शुरू हुआ लगभग आधे घंटे तक तेज बारिश हुई ।इसमें सड़कों पर जल जमाव हो गया। नयापुरा रोड, शुक्ला चौक, बस स्टैंड, गांधी चौराहा आदि इलाकों में पानी भर गया । नयापुरा रोड पर तो बारिश थमने की 1 घंटे बाद भी पानी की निकासी नहीं हो पाई थी। लंबे समय से तेज बारिश की प्रतीक्षा चल रही थी लगभग 7.15 बजे फिर एक बार बारिश का दौर शुरू हुआ इस दौरान बादल गरजे, सड़कों पर पानी बहता रहा इस दौरान मौसम में भी ठंडापन आ गया।बारिश से जन जीवन प्रभावित हुआ है। विशेषकर कालिदास मार्ग पर फुटपाथ पर बैठने वाले विक्रेता परेशान दिखे उनका माल भी गिला हो गया। बारिश की रफ्तार कृषि उपज मंडी के आगे अधिक थी । मंदसौर में जोरदार बारिश की जरूरत थी पिछले कई दिनों से बादल तो छा रहे थे लेकिन जोरदार बारिश नहीं हो रही थी रविवार को मौसम विभाग ने मंदसौर में रेड अलर्ट भी जारी किया था।

बेअरलॉकर उद्योग ने दिए छह स्कूलों को 200 सेट फर्नीचर

वंचित महिलाओं को भेंट किए 10 धुंआ रहित चूल्हे

गुड इवनिंग, देवास

जिले के सभी स्कूलों को फर्नीचर युक्त करने के अभियान में जुटे बेअरलॉकर उद्योग द्वारा एक्ट ईव फाउंडेशन के समन्वय से शुक्रवार को जिले के

उदयनगर क्षेत्र में मगरादेह की एकीकृत शाला में 90 सालीपूरा प्रावि में 15, सुकूपुरा में 10,पठारीपुरा में 15 तथा उदयनगर के कस्तूरबा कन्या छात्रावास में

70 सेट सहित कुल 200 सेट फर्नीचर भेंट किया जिससे 600 से अधिक बच्चे लाभान्वित होंगे । इसके साथ ही वंचित वर्ग की महिलाओं को 500 धुंआरहित होकर इनसे ईंधन की खपत में 60 प्रतिशत की बचत होती है। पर्यावरण फ्रेंडली चूल्हे वितरित किए जाने के लक्ष्य की शुरूआत में दस महिलाओं को चूल्हे भेंट किए। बाकी 490 चूल्हे भी उदयनगर क्षेत्र में भेंट किए जाने हैं । विदित हो कि बेअरलॉकर उद्योग द्वारा गत वर्ष भी 500 चूल्हे खिवनी वन क्षेत्र के रहवासियों को भेंट किए गए थे ।

बेअरलॉकर उद्योग प्रबंधक प्रवीण शर्मा तथा

सीएसआर समन्वय एक्टईव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि लोकार्पण के इन कार्यक्रमों में अतिथि रूप में क्षेत्र के पूर्व जनपद सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता नंदुसिंह रावत,बीआरसी कयूम खान बनारसी,संकुल प्राचार्य परमार सर,सरपंच कमला बाई भार्गव, विजेंद्र सिंह डांगी, जनपद सदस्य रामसिंह सोलंकी, हॉस्टल वार्डन राधा जामले, विश्वागी

वडनेरे तथा बेअरलॉकर उद्योग की सुश्री श्रेयांशी गुप्ता तथा रिया कंवर उपस्थित थे ।

अतिथियों ने जिले के पिछड़े क्षेत्र उदयनगर मे वंचित वर्ग के बच्चों को फर्निचर सुविधा तथा महिलाओं को धुंआरहित पर्यावरण फ्रेंडली चूल्हे दिए जाने के लिए बेअरलॉकर उद्योग तथा एक्ट ईव फाउंडेशन का आभार माना। उल्लेखनीय है कि बेअरलॉकर उद्योग तथा एक्ट ईव फाउंडेशन के इस संयुक्त अभियान में अब तक 60 से अधिक स्कूलों में

2200 से अधिक फर्नीचर सेट दिए जा चुके है जिनमें से बेअरलॉकर उद्योग का 40 स्कूलों में 1600 फर्नीचर का सराहनीय योगदान रहा है ।

कार्यक्रम में शक्तिसिंह कुशवाह,विनोद यादव, गोपाल मुजालदे,नानुराम वर्मा,अमरसिंह माली,सुभाष मालवीय,राकेश सर,प्रेम कानूडीया, शोभाराम, आपसिंह ,श्यामलाला कनासिया,ध्यानसिंह, सज्जनसिंह तंवर,एमसिंह मौर्य,आस्था जैन उपस्थित थे ।कार्यक्रम का संचालन गिरिजैद्र वर्मा ने किया

मूंग खरीदी नहीं होने से आक्रोशित किसानों ने तीन स्थानों पर किया चक्काजाम

गुड इवनिंग, खातेगांव

खातेगांव में सरकारी समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी नहीं होने से किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। शनिवार को अजनास रोड़, संदलपुर और पिपल्या नानकार में किसानों ने खरीदी केंद्रों के बाहर चक्काजाम कर दिया। तीनों स्थानों पर एक से दो घंटे तक जाम की स्थिति रही।

वेयरहाउस पर दो दिन से बारदान उपलब्ध नहीं–भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल और तहसील अध्यक्ष बबलू पटेल ने बताया कि किसानों को केवल एक बार स्लॉट बुकिंग का मौका मिल रहा है। 7 तारीख के लिए स्लॉट बुक करने वाले किसानों को समय सीमा में उपज तुलवाना आवश्यक है। कुछ वेयर हाउस पर दो दिन से बारदान उपलब्ध नहीं है।

चार दिनों से ट्रैक्टर लेकर लाइन में खड़े हैं किसान–भगतराम सुन्दरिया और किशोर गोल्या ने बताया कि किसान चार दिनों से ट्रैक्टर लेकर लाइन में खड़े हैं। हम्मालों की कमी के कारण कम कांटों से तुलाई हो रही है। शनिवार को उपज तुलाई न होने से किसानों को और देर इंतजार करना पड़ेगा।

किसानों के चक्काजाम से सड़क के दोनों और जाम के हालात बन गए।

जल्द समाधान का आश्वासन देने पर माने–एसडीओपी आदित्य तिवारी, टीआई विक्रांत झांझोट, तहसीलदार अवधेश यादव और नायब तहसीलदार अखिलेश शर्मा ने मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि शासन के नियमों के अनुसार ही खरीदी हो रही है। मार्कफेड के संजय यादव ने कुछ केंद्रों पर बारदान की कमी स्वीकार की। उन्होंने आगे ऐसी स्थिति न होने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने एक-एक कर तीनों स्थानों से जाम हटा लिया।

शिलान्यास और उद्घाटन तक सीमित नहीं होना चाहिए विकास

जयनगर में चल रहे विकास कार्यों का मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने निरीक्षण किया

गुड इवनिंग, सारंगपुर

रविवार को नगर पालिका सारंगपुर के वार्ड क्रमांक 18 जयनगर में चल रहे विकास कार्यों का मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने निरीक्षण किया। जिसमें सड़क निर्माण एवं संजीवनी क्लिनिक का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी कार्य समय पर, सही ढंग से और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। मंत्री ने कहा कि विकास ही लक्ष्य, सेवा ही संकल्प, है। उन्होंने नागरिको को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हम और सारंगपुर नगर पालिका आपके विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क एवं संजीवनी क्लिनिक निर्माण कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया विशेष जोर।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में हो रहे सड़क निर्माण और संजीवनी क्लिनिक के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

टेटवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि हर नगर और हर वार्ड में बुनियादी सुविधाएं समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ जनता को प्राप्त हों। विकास केवल शिलान्यास और उद्घाटन तक सीमित नहीं होना चाहिए, उसका वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंचे, यह हमारी जिम्मेदारी है।

निरीक्षण के दौरान राज्य मंत्री ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण सामग्री की नियमित जांच हो, और कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ ज्योति सुनहरे, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा, वार्ड पार्षद भानु लववंशी, कुलदीप राठौर स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर विकास कार्यों की स्थिति देखी और क्षेत्र की समस्याओं व आवश्यकताओं पर मंत्री श्री टेटवाल को अवगत कराया।

स्थानीय रहवासियों ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर संतोष जताते हुए मंत्री श्री टेटवाल का आभार व्यक्त किया और नगर के भविष्य को लेकर सुझाव भी साझा किए। राज्य मंत्री श्री टेटवाल ने अंत में नागरिकों से अपील की कि वे नगर के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। यदि कोई समस्या या सुझाव हो तो निडर होकर नगर पालिका या जनप्रतिनिधियों से साझा करें। आपका सुझाव ही हमारी दिशा है, उन्होंने कहा। नगर पालिका सारंगपुर आपके विकास के लिए संकल्पित और प्रतिबद्ध है।

मूंदी में बिगड़ रही ट्रैफिक व्यवस्था

सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों से लग रहा जाम

गुड इवनिंग, मूंदी

मूंदी नगर में आए दिन जाम की समस्या से लोगों को जूझना पढ़ रहा है। इसकी वजह सड़क किनारे दो पहिया चार पहिया वाहनों को बेतरतीब खड़े कर देने से जाम की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही हैं। वाहनों को बाजार में बीच सड़क पर आड़े तिरछे खड़े कर चालक गायब हो जाते है। इस और प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है !ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने से पैदल चलने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

शनिवार को मेन रोड़ पर एक चार पहिया वाहन चालक बीच रोड़ पर अपनी कार खड़ी कर गायब हो गया था। इस बीच रोड़ पर वाहनों की लाइन लग गई। लोगों ने बहोत आवाज भी लगाई पर काफी देर तक वाहन मालिक नहीं आया बाद में वाहन मालिक एक क्लिनिक से बाहर आया और अपना वाहन हटाया तब जाकर लोगों ने अपने वाहन निकाले। जाम लगना अब नगर में आम बात हो गई हैं। इस तरह लापरवाही और बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई होनी चाहिए। तभी नगर की ट्राफिक व्यवस्था सुधर सकती हैं।

आदिवासी विश्व दिवस को लेकर समाज की बैठक आयोजित

गुड इवनिंग, बाग

आगामी माह मे आने वाली 9 अगस्त को देश-प्रदेश भर मे आदिवासी समाज विश्व आदिवासी बड़ी धूमधाम एवं उत्साह से मनाता है !इसी विषय को लेकर आदिवासी समाज संगठन की दिनाक 13 जुलाई 2025 को ऐक बेठक आयोजित की गई महाकालपुरा स्तिथ गौ शाला परिसर मे बैठक मे आगामी तैयारी के लिए विस्तृत रूप से बैठकर चर्चा कि गई !इस विषय पर सभी बुध्दिजीव ने समाज सुधार को लेकर अपने-अपने पक्ष रखे !

नाच-गाने के बजाय समाज मे कुरीति को खत्म करने पर विशेष ध्यान दिया गया !इस बार आदिवासी समाज के संगठनों डीजे के जगह पारंपरिक वाद्ययंत्र ढोल-माँदल का पक्ष रखा !

इस अवसर पर मौजूद भैरूसिंह अनारे,राजू मण्डलोई पिपरी,चन्दु रिसावला, गंभीर भंवर, श्रीराम चौहान, मुकेश पंवार, अनिल डावर, ईडा बड़वा और भुवानसिंह वसुनिया ने उपस्थित दर्ज करवाई !

भारत विकास परिषद ने 'एक पेड़ मां भारती के नाम' पर किया पौधारोपण

गुड इवनिंग, धार

भारत विकास परिषद मुख्य शाखा धार एवं नित्यानंद शाखा धार द्वारा पुलिस लाइन मांडू रोड धार स्थित मोती वन में परिषद के स्थापना दिवस के तहत 'एक पेड़ मां भारती के नाम' थीम पर वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक, रविन्द्र वास्केल एवं विशेष अतिथि रक्षित निरीक्षक, पुरषोत्तम विशनोई एवं प्रांतीय अध्यक्ष वीरेन्द्रजी जैन थे। स्वागत भाषण कपिल माहेश्वरी द्वारा दिया गया। प्रांतीय अध्यक्ष जैन द्वारा अपने उद्बोधन में भारत विकास परिषद् का विस्तार से परिचय एवं सेवा कार्यों के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि विशनोई द्वारा डीआरपी लाईन में पूर्व में रोपित पौधौ की विस्तृत जानकारी दी गई। सभी पौधों की साज संभाल का आश्वासन भी उनके द्वारा दिया गया साथ ही परिषद् सदस्यों से आग्रह किया कि आप सभी सदस्य प्रति सप्ताह अथवा माह में दोबार अवशय पौधों की देखभाल हेतु अवश्य पधारे। विश्नोई द्वारा इस अवसर पर पर्यावरण स्वावलंबन एवं स्वदेशी विषय पर सभी को शपथ दिलवाई गई। आभार अंबिकेश चौधरी द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रेमनारायण रावल द्वारा किया गया।

हजारों साल पुरानी कला बाग प्रिंट को आगे बढ़ा रहा है खत्री परिवार

गुड इवनिंग, बाग

भारत परंपरा और विविधताओं से भरा हुआ देश है। यहां आज भी देश के सुदूर इलाकों में ऐसे शिल्पकार और कलाकार मौजूद हैं कि जो कि हजारों साल पुरानी परंपरा और धरोहर को न सिर्फ बचाए हुए हैं बल्कि उसे आगे बढ़ाकर देश-विदेशों तक पहुंचा रहे हैं। हम यहां बात कर रहे मास्टर शिल्पकार मोहम्मद बिलाल नूर मोहम्मद खत्री की, जो कि हजारों साल पुरानी ह्यबाग प्रिंटह्व पंरपरा को इंदौर के एसडीपीएस कॉलेज में स्टूडेंट को सीखा रहे अपना हुनर ! इस कार्यशाला के दौरान स्टूडेंटस ने बाग प्रिंट शिल्पकला की पारंपरिक प्रक्रिया को समझा। जहा बाग प्रिंट की छपाई से लेकर धुलाई एवं भट्टी परक्रिया को समझाया एवं इस्तेमाल होने वाले सभी नेचुरल रॉ मटेरियल की जानकारी दि। खत्री ने बताया कि वे पूर्व मै भी कई कालेजों में ट्रेनिंग दे चुके है।

आजाद अध्यापक संघ ने किया था प्रांतीय आह्वान

खातेगांव में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

गुड इवनिंग, खातेगांव

शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रांताध्यक्ष भाई भरत पटेल के कुशल मार्गदर्शन में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले जिलास्तरीय शिक्षक स्वाभिमान रैली निकलकर कलेक्टर ऋतुराज सिंह को ज्ञापन सौंपा।

आजाद अध्यापक संघ के खातेगांव ब्लाक अध्यक्ष दिनेश विश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश प्रदेश के सभी जिलों मे रविवार को जिलास्तरीय शिक्षक स्वाभिमान रैली निकाल कर डीएम को ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन में ई अटेन्डेन्स बंद करवाने, प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करके पुरानी पेंशन योजना एवं ग्रेच्युटी का लाभ देने, पदोन्नति और लंबित क्रमोन्नति के आदेश शीघ्र जारी जारी एरियर्स राशि का भुगतान करने, जनजाति कार्य विभाग के कार्यरत अध्यापक शिक्षक संवर्ग और स्कूलों को स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज करने, अनुकम्पा नियुक्ति के नियमों को शिथिल कर शत-प्रतिशत दिवंगत अध्यापक शिक्षक संवर्ग के आश्रित परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग की रूकी हुई हड़ताल अवधि की वेतन का भुगतान करवाने,गुरूजीओ की नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने, अतिथि शिक्षकों के संबंधित जो भी स्थानीय मांगे एवं समस्या एवं अन्य मांगों आदि के लिए मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम श्रीमान कलेक्टर महोदय को एक साथ देवास जिला मुख्यालय पर ह्लशिक्षक स्वाभिमान रैलीह्व निकाल कर, ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष देवास राजेंद्र सिंह सेंधव के नेतृत्व में जिलास्तरीय शिक्षक स्वाभिमान रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर हुआ जिसमे सयुक्त मोर्चा भी उपस्थित रहा । प्रांतीय शिक्षक संघ उपा दिनेश चौधरी, अध्यक्ष साबिर शेख, पुरुषोत्तम शिशोदिया राज्य शिक्षक संघ, सुदेश सांगते जिला अध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, रविन्द्रपाल सिंह तोमर राज्य कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष,अरुण कुमार मिश्र सयुक्त मोर्चा प्रवक्ता देवास , आजाद अध्यापक संघ के ब्लाक अध्यक्ष खाते गाव से दिनेश विश्नोई, सोनकच्छ से जसवंत सिंह कुशवाह, देवास से फूलकुमार लकड़ा, बागली से गिजेन्द्र सिंह वर्मा, टोंक ब्लॉक से अरविंद सेंधव संतोष जोशी सहित सेकड़ो शिक्षक शामिल हुए सभी का आभार संघ की और से दुर्गेश जाजू और धर्मेन्द्र मौर्य ने माना उपस्थित शिक्षक साथी महिपाल सिंह लाला खेड़ी, राजेंद्र सिंह सेंधव, नंदलाल जी राठौड़ सोभाल सिंह सेंधव हंसा चौधरी लाड कुमार राजपूत रश्मि यादव हंसा चौधरी सोन सोनकुवंर राजपूत रश्मि श्रीवास्तव सुश्री वंदना ग्वाल श्रीमती प्रियंका चौधरी सुनीता खत्री मुकुल रैकवार कर्मा परमार ज्योति निगमविजय सिंह साहिल मानसिंह सायल तेज सिंह जायसवाल राजेंद्र कुशवाहा सोबाल सिंह कुशवाहा गौरव राठौर भगत सिंह कुशवाहा सुनीता श्रीमती सुनीता सकलेचा श्रीमती सुनीता पटेल दिनेश निगम भूपेंद्र सिंह तोमर जिला महामंत्री योगेश जी जानी इंद्रपाल झा अमित जलोदिया विशाल बोहरे संतोष दुबे विशाल जायसवाल विजय ताम्रकार धर्मेंद्र मौर्य आदि मौजूद रहे।

बीईओ ने क्लास लेकर बच्चों को बताया शिक्षा जीवन की मूल पूंजी

सारंगपुर के नजीमाबाद और कन्या स्कूल का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

गुड इवनिंग, सारंगपुर

सारंगपुर ब्लाक शिक्षा अधिकारी सुरेश विरमाल इन दिनों बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं, उनमें शिक्षा के प्रति उत्सुकता पैदा करने के लिए शिक्षण संस्थाओं का भ्रमण भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को बीईओ विरमाल ने स्थानीय नजीमाबाद स्कूल एवं कन्या शाला स्कूल सारंगपुर पहुंचे। वहां के शिक्षक शिक्षिकाओं से मिले। बीईओ ने प्रधानाध्यापक, अध्यापक सहित अन्य शिक्षकों से विद्यालय संचालन से संबंधित जानकारी ली। इसके बाद बीईओ बच्चों के बीच गए और बच्चों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने बच्चों की विभिन्न विषय की क्लास ली। गुरु शिक्षक की तरह

बच्चों और बीईओ ने शिक्षा का आदान- प्रदान किया। उन्होंने बच्चों को शिक्षा जीवन का मूल पूंजी बताया। हर हाल में बच्चों से शिक्षा ग्रहण करने की अपील की।

अचानक पहुंचे थे निरीक्षण करने : विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीविरमाल ने बताया कि वह बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता को जांचने अचानक सुबह 10:30 बजे नजीमाबाद स्कूल पहुंचे थे।, इस मौके पर मध्यान भोजन चेक किया और सभी को उचित निर्देश दिए। कक्षाओं को नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए, विद्यालय के बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत करने के लिए हिदायत दी। इसके पश्चात शासकीय माध्यमिक विद्यालय कन्या सारंगपुर में भी दौरा किया। जहां बीईओ ने कक्षाओं में प्रत्येक बच्चे से प्रश्न किया, बच्चों का शैक्षणिक स्तर बेहतर मिला। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने कन्या स्कूल के सभी शिक्षकों को कौन सा विषय कैसे पढाया जाना चाहिए इसको लेकर नए-नए टिप्स बताएं, बच्चों को गतिविधि आधारित शिक्षा देने का निर्देश दिए तथा शासकीय स्कूल में बच्चों की संख्या बढाए जाने की हिदायतें भी उन्होंने प्रबंधन को दी। इस मौके पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्कूली बच्चें मौजूद रहे।

बोले जिम्मेदार

हमने अब सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने के लिए निरीक्षण का दौर शुरू किया है, और प्रतिदिन किसी भी स्कूल में पहुंचकर हम आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और वह की वास्तविक स्थिति का पता लगाएंगे और निश्चित रुप से लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड का परीक्षा परिणाम जिन स्कूलों का खराब रहा है, उन पर विशेष नजर रखी जाएगी।

- सुरेश विरमाल, बीईओ, सारंगपुर

ग्रामीण खुद हटा रहे सड़क निर्माण में बाधा बना अतिक्रमण

रहवासी बोलेः मऊ में विकास के लिए हम तैयार, 10 जुलाई को 33 रहवासियों को एसडीएम ने थमाए थे नोटिस

गुड इवनिंग, सारंगपुर

सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमण को सारंगपुर के मऊ ग्राम में ग्रामीण स्वयं हटाने लगे है। सड़क किनारे रहने वाले मुबारिक मंसूरी और युसूफ मंसूरी ने अतिक्रमण हटाते हुए कहा कि हम चाहते है कि बेहतर सड़क बन जिससें विकास के आयाम आगे बढ़े। विकास के लिए ही हम अतिक्रमण हटाने के लिए तैयार है।

दरअसल सारंगपुर अनुविभाग मुख्यालय को भोपाल राजधानी से जोड़ने वाले तलेन-मऊ तक 25 किमी सड़क का निर्माण करीब 65 करोड की लागत से पीडब्ल्यूडी के द्वारा कोडेक कंस्ट्रक्शन कंपनी से कराया जा रहा है। इस रोड में करीब 7 मीटर सड़क, ढाई-ढाई मीटर पेवर ब्लाक और एक-एक मीटर के क्षेत्र में नालियों का निर्माण आबादी क्षेत्र में होना है, इसलिए सड़क निर्माण कंपनी को करीब 14 मीटर जगह की जरुरत है। लेकिन ग्राम पंचायत मऊ में अतिक्रमण के कारण इतना स्थान ठेकेदार को सड़क निर्माण के लिए नहीं मिलने से सीसी सड़क निर्माण में दिक्कते आ

रही है और आधा सीसी रोड ही मऊ में बन सका है। मामले को संज्ञान में लेते हुए एसडीएम रोहित बम्होरे ने विगत 10 जुलाई को निरीक्षण किया था। उन्होंने सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमण को देखा और करीब 33 अतिक्रमण कारियों को नोटिस दिलवाकर तीन दिन में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। अतिक्रमण स्वंय नहीं हटाने पर प्रशासन की तरफ से कार्रवाई करने की बात एसडीएम ने कही थी। एसडीएम के निर्देशन में अब ग्रामीणों ने स्वयं अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया है।

पेड़-पौधे से मिलने वाली ऑक्सीजन जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण

सारंगपुर विजयवर्गीय समाज ने किया पौधारोपण, पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

गुड इवनिंग, सारंगपुर

अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य समाज के तत्वाधान में रविवार को वृक्षारोपण महोत्सव के तहत विजयवर्गीय समाज की सभी 85 शाखाओ में एक दिन एक समय पौध रोपण करने का अभियान चलाया। इसी अभियान की श्रृंखला में सारंगपुर विजयवर्गीय वैश्य समाज ने भी स्थानीय श्री चतुर्भुज नारायण भगवान मंदिर प्रांगण पर प्रांत अध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश विजयवर्गी के नेतृत्व में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सारंगपुर समाज अध्यक्ष संजय विजयवर्गीय ने कहा कि पेड़ पौधे हवा को स्वच्छ करके तापमान को नियंत्रित करते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन देते हैं। वे मिट्टी की उर्वरता में सुधार भी करते हैं, उन्होंने यह भी कहा पेड़-पौधे से मिलने वाली ऑक्सीजन प्राणिमात्र को जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अखिल भारतीय वैश्य समाज के प्रांतअध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता ओमप्रकाश विजयवर्गीय ने बताया पेड पौधे एक सुखद परिदृश्य प्रदान करते हैं और मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करते हैं और जलवायु को नियंत्रित रखते हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

सेवा सदन में जनसुनवाई

मंत्री बोलेः क्षेत्रवासियों की समस्याओं को शीघ्र एवं प्रभावी समाधान किया जाएगा

गुड इवनिंग, सारंगपुर

मप्र प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं क्षेत्रीय विधायक डा. गौतम टेटवाल ने एसडीएम चौराहे पर स्थित सेवा सदन कार्यालय में क्षेत्रवासियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उन्हें शीघ्र एवं प्रभावी समाधान का विश्वास दिलाया। मंत्री ने कहा कि आप सभी के सहयोग और विश्वास से यह जनसेवा की यात्रा निरंतर आगे बढ रही है। आपका विश्वास ही मेरी सबसे बडी प्रेरणा है, और मैं सदैव निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ जनसेवा के इस पावन कार्य में संलग्न रहूँगा। इस दौरान आमजन ने मंत्री के समक्ष पीएम आवास, बिजली, पानी, सड़क और रोजगार से संबंधित मांग रखी और समाधान की अपील की, मंत्री ने सभी समस्याओं का हल करने के लिए आश्वास्त किया। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं भाजपा पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

सारंगपुर में भव्य रूप से निकलेगी शाही पालकी यात्रा

भगवान शिव के प्रिय महीने सावन का पहला सोमवार आज

गुड इवनिंग, सारंगपुर

इस बार सावन माह की शुरूआत कई शुभ योग व व दुर्लभ संयोग में हुई है। ये संयोग धार्मिक दृष्टि से बहुत खास माना जा रहा है। 11 जुलाई से सावन माह की शुरूआत हो गई। 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समापन होगा। पंडित पवन पारीक ने बताया कि इस बार सावन में चार सोमवार आ रहे हैं। पहला सोमवार व्रत आज 14 जुलाई को होगा। दूसरा 21 जुलाई को, तीसरा 28 जुलाई को और चौथा सोमवार 4 अगस्त को आएगा। इस दिन सारंगपुर शहर में शाही पालकी यात्रा भव्य रुप से निकलेगी।

पंडित पारीक ने कहा कि शिव पुराण में बताया कि अलग-अलग फूल चढाकर मनोकामना पूरी की जा सकती है। वाहन सुख की इच्छा रखने में रहेगा, लेकिन दोपहर 12:09 बजे के बाद मकर राशि में प्रवेश करेगा। सावन में सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और शिव योग का संयोग रहेगा। इस माह हर सोमवार को भगवान शिव की पूजा

से सुख और समृद्धि मिलती है। पूजन की शुरूआत महादेव के अभिषेक से होती है। अभिषेक में जल, दूध, दही, घी, शक्कर, शहद, गंगाजल और गन्नो के रस से स्नान कराया जाता है। इसके बाद बेलपत्र, समीपत्र, दूब, कुशा, कमल, नीलकमल, आक, मदार, जंवाफूल, कनेर और राई के फूल चढाएं जाते हैं। भोग में धतूरा, भांग और श्रीफल अर्पित किए जाते हैं।

यह भी जाने : पंडित पारीक ने कहा कि पहले सोमवार को गणेश चतुर्थी व्रत, दूसरे को सभी सिद्धियों को पूर्ण करवाने वाली कामदा एकादशी व्रत तिथि, तीसरे को वरद विनायक चतुर्थी व्रत-पूजन व अंतिम सोमवार चार अगस्त को सर्वार्थ सिद्धि योग बनेगा। 9 अगस्त को आयुष्मान व सौभाग्य योग के साथ श्रावणी उपक्रम व रक्षाबंधन मनाया जाएगा।

सावन माह में ये आएंगे व्रत-त्योहार : 15, 22 व 29 जुलाई व 5 अगस्त भौम-व्रत व मंगला मंगला गौरी दर्शन पूजन, 16 जुलाई सूर्य को कर्क संक्रांति, 17 जुलाई कालाष्टमी, 22 जुलाई भौम प्रदोष व्रत, 23 जुलाई मास शिवरात्रि, 4 जुलाई हरियाली अमावस्या, 26 जुलाई स्वामी करपात्री जयंतीय, सिंजारा व चंद्रदर्शन, 27 जुलाई हरियाली तीज, 29 जुलाई नाग पंचमी, 30 जुलाई श्रीकलकी जयंती, 31 जुलाईः तुलसीदास जयंती व दुर्गाष्टमी, 5 अगस्त पवित्रा एकादशी, 6 अगस्त बुध प्रदोष व्रत रहेंगे।

संपादकीय

दुर्घटनाः आईबी की प्रारंभिक जांच से जवाब के बजाय खड़े हुए प्रश्न

रिपोर्ट के निष्कर्ष में अटकल वाले तत्व शामिल हैं, जो न तो पीड़ितों के परिजनों को संतुष्ट कर पाएंगे और न ही विमानन उद्योग के सुरक्षा प्रोटोकॉल को स्पष्टता दे पाएंगे। गत 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद आई एयरक्राफ्ट एक्सिडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच के नतीजों ने जवाब देने के बजाय नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। उस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी।

इंटरनैशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन (आईसीएओ) की अनुशंसाओं के पालन के अंतर्गत 2012 में गठित एएआईबी की रिपोर्ट महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया के अधिग्रहण के तीन साल पूरे होने के कुछ समय बाद आई है। परंतु रिपोर्ट के निष्कर्ष में अटकल वाले तत्व शामिल हैं, जो न तो पीड़ितों के परिजनों को संतुष्ट कर पाएंगे और न ही विमानन उद्योग के सुरक्षा प्रोटोकॉल को स्पष्टता दे पाएंगे। रिपोर्ट में विमान चालकों की भूमिका को लेकर अस्पष्टता भी परेशान करने वाली है।

एयर इंडिया का अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान एआई 171 उड़ान भरने के 30 सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वह विमान एक भीड़ भरे इलाके में चिकित्सकों के छात्रावास पर गिर गया था। दुर्घटना के ठीक पहले एक विमान चालक ने ह्यमे डेह्ल की आपातकालीन पुकार लगाई थी। एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट कहती है कि इंजनों की ईंधन आपूर्ति उड़ान भरने के तुरंत बाद बंद हो गई थी क्योंकि फ्यूल कंट्रोल स्विचों को ह्यचालूह्ल से ह्यबंदह्ल कर दिया गया था। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की रिकॉर्डिंग के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने फ्यूल स्विच बंद क्यों किया? इस पर दूसरा पायलट कहता है कि उसने स्विच बंद नहीं किया। रिपोर्ट आवाजों की पहचान नहीं करती। रिपोर्ट में 2018 के अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के एक बुलेटिन का भी हवाला दिया गया, जिसमें फ्यूल स्विच की लॉकिंग प्रणाली में दिक्कत की बात कही गई थी। चूंकि वह बुलेटिन मशविरे की प्रकृति का था और इस मुद्दे को असुरक्षित नहीं माना गया था और वह कानूनी रूप से प्रवर्तनीय निदेर्शों की मांग नहीं करता था इसलिए एयर इंडिया ने अपने बेड़े के विमानों की जांच नहीं करवाई थी। रिपोर्ट का यह कथन भी अस्पष्टता बढ़ाता है कि बोइंग या जीई जीईएनएक्स 1 इंजन निमार्ताओं के लिए किसी कार्रवाई की अनुशंसा नहीं की गई।

एएआईबी की 15 पन्नों की रिपोर्ट के साथ दिक्कत यह है कि इसने पायलटों की चूक की अटकलों को जन्म दिया है। इसे खराब ढंग से कहें तो यह पायलट द्वारा आत्मघाती ढंग से उठाए कदम का संकेत है। रिपोर्ट के नतीजों का पीड़ितों के परिजनों को किए जाने वाले भुगतान पर कोई असर नहीं होगा लेकिन विशेषज्ञों ने रिपोर्ट की तीखी आलोचना की है और कहा है कि फ्यूल बंद होना मानवीय चूक थी या तकनीकी खामी, इस विषय पर अधिक जानकारी की जरूरत है। यह भी लगता है कि रिपोर्ट में प्रस्तुत घटनाक्रम भ्रामक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फ्यूल कंट्रोल स्विच को उड़ान के कुछ ही सेकंड के बाद बंद कर दिया गया। रिपोर्ट यह भी कहती है कि रैम एयर टर्बाइन या बैकअप पॉवर सोर्स जो केवल तभी काम करता है जब दोनों इंजन फेल हो जाते हैं, वह उड़ान भरने के तुरंत बाद सक्रिय हो गया था। इससे संकेत मिलता है कि विमान के जमीन से ऊपर उठते ही दोनों इंजन बंद हो गए थे। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर तथा अन्य तकनीकी आंकड़ों की पूरी जानकारी के बिना हादसे की वजह पता चलनी मुश्किल है। नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सही कहा है कि मीडिया और जनता को नतीजों पर नहीं पहुंचना चाहिए क्योंकि ये प्रारंभिक निष्कर्ष एक जटिल जांच की शुरूआत हैं जो कम से कम एक साल चलेगी। सवाल यह है कि इतनी अस्पष्ट रिपोर्ट जारी क्यों की गई।

शिशु रोग विशेषज्ञ डा. अंकित यादव बोलें- बच्चो की खास निगरानी की जरूरत

बच्चे हो रहे मोबाइल के आदी, बढ़ रही जिद और गुस्सा

गुड इवनिंग, सारंगपुर

कोविड-19 कोरोना वायरस के समय लगे लाकडाउन में ऑनलाइन पढाई में शामिल हुए बच्चे और उनको देखकर दूसरे बच्चे मोबाइल के आदी हो गए हैं। लंबे समय तक मोबाइल चलाने व देखने से बच्चों में आंखों में समस्या और एकाग्रता की कमी हो रही है। बच्चे जिद्दी होने लगे हैं। कुछ बच्चों के अभिभावक उन्हें शिशु रोग विशेषज्ञों के पास लेकर पहुंच रहे है तो बच्चों में ऑटिज्म (स्वलीनता) जैसे लक्षण मिले। बोलने, भाषा का उपयोग करने, दूसरों की बातों को समझने, विशेष गतिविधियों, रुचियों या दिनचर्या पर ध्यान केंद्रित करने में कमी भी सामने आई।

स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा, उतनी समस्या होगी : इस संबंध में शिशु रोग विशेषज्ञ डा. अंकित यादव ने कहा कि बच्चों में स्वलीनता जैसे डिसआर्डर की समस्या आ रही है। अटेंशन डेफिसिट डिसऑर्डर भी हो रहा है। बच्चा ध्यान नहीं दे पा रहा है, पढाई नहीं कर पा रहा है। ऐसे बच्चे मेंटल डिस्टर्ब होने लगते हैं। स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा रहेगा उतनी ही समस्या होगी। एकाग्रता भंग हो रही है। किसी भी चीज पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे बच्चे लगभग सभी डाक्टरों के पास पहुंच रहे हैं।

यू-ट्यूब पर पेरेंटल कंट्रोल ऑप्शन ऑन करें : डा. यादव ने कहा कि बच्चों से एकदम से मोबाइल छीनेंगे तो बच्चा चिड़चिड़ा होगा। उन्हें किसी अन्य काम या बाहरी खेल में लगाए। मोबाइल पर परोसे जा रहे कई कंटेंट बच्चों के लिए नहीं होते हैं। इसलिए यू-ट्यूब पर रिस्टेक्ट मोड ऑपशन का उपयोग करना चाहिए और पेरेंटल कंट्रोल ऑन करें या बच्चों के लिए किड्स यू-ट्यूब बच्चों को दे सकते हैं।

मोबाइल ज्यादा समय चलाने के कारण बच्चों में टेंपर टैंट्रम (गुस्से) की बीमारी हो रही है। इसमें सामान्यतः बच्चे में चिडचिडापन, जिद करना, अपनी बात मनवाने आदत होती है। बच्चे सोशल मीडिया पर रील स्क्रॉल करते हैं, जिससे पेशेंस कम होता है। कुछ बच्चे हमारे पास आ रहे हैं जिन्हें डिप्रेशन की शिकायत है। अभिभावकों को ध्यान रखना चाहिए।

- डॉ. अंकित यादव, शिशु रोग विशेषज्ञ, सिविल अस्पताल, सारंगपुर

रात में रोज चलता है चेकिंग अभियान..

फोटो : गुड इवनिंग

इंदौर। शहर की पुलिस मालवीय नगर से एलआईजी चौराहे के बीच रोजाना रात करीब 10:30 बजे इस तरह बेरिकेड लगाकर वाहनों की जांच कर रही है। इस दौरान कई बार जाम लग जाता है।

टिगरिया बादशाह में शिफ्ट हुई दुकान पर भड़के रहवासी

शराब दुकान का विरोध कर रहे लोगों ने की तोड़फोड़

गुड इवनिंग, इंदौर

इंदौर में शराब दुकानों को विरोध लगातार जारी है। रविवार को टिगरिया बादशाह में शिफ्ट हुई शराब दुकान का लोगों ने विरोध किया। रविवार रात को आक्रोशित रहवासियों ने शराब दुकान में तोड़फोड़ कर दी और जमकर आक्रोश जताया। विरोध कर रहे रहवासी शराब दुकान में घुस गए और तोड़फोड़ मचा दी। शराब ठेकेदार ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद विरोध कर रहे रहवासी मौके से हट पाए।

टिगरिया बादशाह क्षेत्र में शराब की दुकान खोले जाने का रहवासी लगातार विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि इससे क्षेत्र में अपराध बढ़ेगे। प्रशासन ने दुकान शिफ्ट नहीं की तो रहवासियों का आक्रोश शराब दुकान पर निकला। रविवार रात रहवासी शराब दुकान के सामने एकत्र हुए। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी।

पहले उन्होंने नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी भीड़ अचानक शराब दुकान के भीतर घुस गई। दुकान के पीछे लोग शराब भी पी रहे थे। अचानक रहवासियों ने शराब दुकान में तोड़फोड़ मचा दी और रहवासी नारेबाजी करने लगे। माहौल गरमाता देख शराब पी रहे लोग भागने लगे। शराब ठेकेदार ने पुलिस को जानकारी दी। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाया। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

इंदौर-देवास रोड पर फिर घंटों जाम

गुड इवनिंग, इंदौर

इंदौर-देवास रोड पर रविवार को फिर घंटों तक जाम लगा रहा। देवास के भोपाल ब्रिज पर वाहनों की कतार दो से तीन घंटे तक लगी रही। इस बार जाम की वजह बायपास पर हो रहे निर्माण नहीं बल्कि करणी सेना का प्रदर्शन था।

हरदा में करणी सेना के कार्यकताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में देवास में भी करणी सेना के कार्यकर्ता प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने बायपास पर वाहनों को रोकना शुरू कर दिया। पहले भोपाल से इंदौर की तरफ से आने वाली लेन पर वाहनों की कतार लग गई। जब सड़क पर जाम लगा,तब वहां पर ट्रैफिक पुलिस जवान भी तैनात नहीं थे। कुछ ही देर में डेढ़ किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। इसमें यात्री बसें, ट्रक, कार सहित अन्य वाहन शामिल थे। लोगों यह पता करने की कोशिश करने लगे कि ट्रैफिक जाम क्यों हो रहा है।

कुछ देर बाद बायपास के दूसरी तरफ भी ट्रैफिक जाम हो गया। करीब दो घंटे बाद ट्रैफिक बहाल हुआ। पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे। उन्होंने करणी सेना के पदाधिकारियों से चर्चा की। इसके बाद दोनों तरफ वाहनों की आवाजाही शुरू हो पाई। आपको बता दें कि इंदौर देवास बायपास पर अर्जुन बड़ौद के समीप दस दिन पहले हुए ट्रैफिक जाम का मुद्दा प्रदेशभर में चर्चा का विषय था। इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका लगी थी। तब एनएचएआई के वकील के सवाल की सोशल मीडिया पर खूब किरकिरी हुई थी। वकील ने कहा था कि लोग इतनी जल्दी बायपास पर निकलते क्यों है।

जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा हथियार

इंदौर। जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा हथियार का संदेश देते हुए दृष्टि कोचिंग इंस्टिट्यूट में इंदौर पुलिस की साइबर पाठशाला लगाई गई। यहां 350 से अधिक छात्रों को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी गई। टेलीग्राम टास्किंग, ऑनलाइन गेमिंग, फाइनेंशियल फ्रॉड से सतर्क रहने और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया बताई गई।

रखरखाव के नाम पर 4 लाख की हेराफेरी

गुड इवनिंग, इंदौर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए परिसरों में नगर निगम के अधिकारियों की एक के बाद एक मनमानी सामने आ रही है। कभी घटिया निर्माण तो कभी नक्शे के विपरित मनमाने तरीके से पार्किंग में दुकाने बनाने के बाद अब रहवासियों ने नगर निगम के अधिकारियों पर रखरखाव के नाम पर 4 लाख रुपए के गबन का आरोप लगाया है।

मामला बायपास के समीप प्रज्ञा गर्ल्स स्कूल के पास नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की इमारतें बनाई है। इन इमारतों में रहने वाले परिवारों ने नगर निगम के अधिकारियों पर गबन का आरोप लगाया है। रहवासियों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना विभाग द्वारा रखरखाव के लिए 24 हजार रुपए प्रति फ्लैट लिए थे, फिर 15 हजार रुपए अलग से विकास के लिए थे। जब गुलमर्ग परिसर के रहवासियों को रखरखाव का जिम्मा सौपा तो राशि कम थी। गुलमर्ग परिसर के ब्लाक बी 10, 11 एवं 12 में 100 से अधिक फ्लैट है और पीएमएवाय के अफसरों ने रहवासियों के संघ को मात्र 9 लाख 41 हजार रूपए दिए हैं जबकि यहां फ्लैट लेने वालों से 15 हजार रूपए के हिसाब से 16 लाख रूपए से अधिक राशि अलग से वसूल की गई थी। यह राशि रहवासियों को लौटाना था। कुछ पैसा खर्च होने के बाद शेष राशि में 4 लाख रूपए कम लौटाए जिसके लिए बार-बार अफसरों से मिलकर उनसे राशि की मांग भी की, लेकिन नगर निगम के पीएमएवाय के अधिकारी रहवासियों का पैसा नहीं लौटा रहे हैं और जवाब भी नहीं दे रहे है। हाल ही में गुलमर्ग परिसर के रहवासियों ने पीएमएवाय कार्यालय में जिम्मेदारों से मिलकर अपनी बात रखी, लेकिन अधिकारियों ने जवाब नहीं दिया। कुल मिलाकर गुलमर्ग परिसर ब्लाक बी 10, 11 एवं 12 के रहवासियों के 4 लाख रूपए से अधिक राशि अधिकारी हजम कर गए हैं।

टिगरिया रोड की बाधाएं हटाई, लटूरबाग के पास का रास्ता भी हुआ साफ

एक तरफ के निर्माण तोड़े, रास्ते में आ रहे पुराने पेड़ भी काटे

गुड इवनिंग, इंदौर

शहर के सुपर कॉरिडोर से जोडने वाली टिगरिया रोड के अधिकांश हिस्से का काम हो गया है, जबकि खड़े गणपति के पास से संगम नगर कचरा स्टेशन होते हुए नील आकाश स्कूल तक का काम बाकी है। इतने हिस्से में अब भी बाधाएं खड़ी है। रविवार को लटूरबाग के सामने की तरफ के कुछ बाधक निमार्णों और पेड़ों को काटकर सडक का रास्ता साफ किया जिससे इस हिस्से में भी सडक का काम जल्दी होने की संभावना है।

मरीमाता चौराहा और किला मैदान रोड से टिगरिया बादशाह होते हुए सुपर कॉरिडोर तक जाने वाली सड़क का निर्माण लंबे समय से चल रहा है। इस रोड के एक हिस्से का काम बाकी है। इस क्षेत्र में रविवार को बाधाएं हटाई गई इससे 15वीं बटालियन के पुलिस आवास के सामने के हिस्से में भी जल्दी काम शुरू होने की संभावना है। दरअसल सुपर कॉरिडोर से योजना क्रमांक 51 तक की सड़क का काम अंतिम चरण में है। जबकि खड़े गणपति के पास से टिगरिया रोड स्थित नील आकाश स्कूल के

पास तक की सडक का काम अभी बाकी है। इतने हिस्से में कुछ बाधां भी हैं जिनमें लटूर बाग के पास से बाधाएं हटाने के बाद अभी करीब एक किलोमीटर का हिस्सा बाकी है। खड़े गणपति से 15वीं बटालियन पुलिस आवास तिराहा होते हुए करीब आधा किलोमीटर की सडक बनने के बाद यहां यातायात सुलभ हो सकेगा।

10 वर्ष पहले किया था रीमूवल-टिगरिया रोड का काम करीब 10 वर्ष पहले शुरू हो गया था और सुपर कॉरिडोर से टिगरिया गांव तक सडक आईडीए की योजना में शामिल होने से इतने हिस्से में काम भी हो गया था, लेकिन शेष भाग का काम लंबे समय तक लंबित रहा। वर्ष 2016-17 में तात्कालिक निगमायुक्त मनीषिसंह ने लटूरबाग के बाधक निमार्णों पर यह कहकर रीमूवल की कार्रवाई की थी कि सड़क बनेगी, लेकिन करीब 10 वर्षो से यह सडक अधूरी है।

2 वर्ष में 1.5 किलोमीटर बनाई-नगर निगम ने करीब दो साल पहले नंदबाग, दशरथ बाग के आगे चौराहा से सडक निर्माण का काम शुरू किया था, लेकिन स्कीम नंबर 51 तक करीब 1.5 किलोमीटर सडक का निर्माण कार्य चल रहा है। जबकि करीब एक किलोमीटर की सडक का काम अब भी बाकि है।

कावड़ यात्रा के लिए इंदौर में किए इंतजाम

गुड इवनिंग, इंदौर

श्रावण मास के पावन मौके पर भगवान शिव के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में कावड़ यात्रियों ने उज्जैन, ओंकारेश्वर एवं अन्य शिव तीर्थों की ओर यात्रा शुरू कर दी है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देश पर इंदौर जिले में प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

कलेक्टर आशीष सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से कावड़ यात्रियों के लिए राजोदा (सांवेर रोड) एवं बाईग्राम (खंडवा रोड, महू क्षेत्र) में ठहराव,

भोजन और विश्राम की व्यवस्थाएं की गई हैं। इंदौर-उज्जैन महाकालेश्वर मार्ग पर राजोदा ग्राम में रामा फास्फेट फैक्ट्री के सामने और इंदौर-ओंकारेश्वर मार्ग पर बाईग्राम में वाटरप्रूफ डोम बनाए गए हैं, जिनमें यात्रियों को शयन, भोजन, चाय, फलाहार एवं प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। भोजन की व्यवस्था प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक की गई है।

भोजन एवं फलाहार की विशेष व्यवस्था-श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए कैंपों में चाय, रोटी, पूरी, सब्जी, दाल, चावल, खिचड़ी आदि भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। वहीं, उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। उनके लिए फलाहार में मोरधन की खिचड़ी, केले, ककड़ी तथा साबूदाने की खिचड़ी उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे उपवास वाले यात्री भी बिना कठिनाई के अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव धाम** द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग लून, 22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं सफायर टिवन्स, 102 फर्स्ट फ्लोर, पीयू 3, विजयनगर, एबी रोड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित। फोनः 0731-4000244
आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2017/72473 डाक पंजीयन क्रमांक- MP/IDC/1550/2020-2022, **प्रधान संपादक : राजीव धाम, एग्जीक्यूटिव संपादक गिरांज सिकरवार,** स्थानीय संपादक : **कमलेश गुरु** *, (*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।